तापमान
अधिकत 33 .2 डिग्री
न्यूनतम 14 .6 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, रविवार, 24 मार्च 2024

11 चीनी मिल पेराई सत्र-चीनी का 11.60 प्रतिशत पहुंचा रिकवरी रेट

12 जिले भर में मनाया गया शहीदी दिवस

खबर संक्षेप

किसान के खेत से ट्रांसफार्मर चोरी

गोहाना। गांव भैंसवान खुर्द के किसान फूल कुंवार के खेत से ट्यूबवेल कनेक्शन पर लगाया गया ट्रांसफार्मर चोरी कर लिया गया। निगम के अब अर्बन सब डिवीजन के एसडीओ सुनील कुमार की शिकायत पर बरोदा थाना में मामला दर्ज किया गया। उन्होंने पुलिस को बताया कि बिजली निगम द्वारा किसान को सिंचाई के लिए कनेक्शन जारी किया गया है। किसान के खेत में ट्रांसफार्मर लगाया गया था।

अवैध हथियारों सहित गिरफ्तार, अदालत में पेश

सोनीपत। क्राइम यूनिट टीम ने अवैध हथियार सहित आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित चिराग निवासी सिक्का कॉलोनी सोनीपत का है। पुलिस ने आरोपित को अदालत में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। जांच अधिकारी प्रवीन ने बताया कि उनकी टीम गश्त के दौरान सिक्का कॉलोनी की सीमा में मौजूद थी।

ट्रासंफार्मर चोरी में शामिल दो आरोपित पकड़े

सोनीपत। राई थाना पुलिस ने बिजली की तारें, केबल, ट्रांसफार्मर चोरी करने की वारदात में शामिल दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित संतराम व फैजान निवासी बीसवां मील का है। पुलिस ने वारदात में शामिल तीन नाबालिगों को जांच में शामिल किया है। एक मार्च को बिजली निगम में तैनात अधिकारी ने शिकायत देकर बताया था कि बढ़मलिक के पा लइनों से सामान चोरी व लाइनों की केबल चोरी होने सहित ट्रांसफार्मर का सामान चोरी होने की शिकायत मिली थी।

रंगों के त्योहार पर खाकी की विशेष तैयारी

हुड़दंगियों से निपटने के लिए चप्पे-चप्पे पर रहेगी पुलिस

होली व दुल्हेंडी के दिन पुलिस की पीसीआर, डायल-112 व राइडर पूरे क्षेत्र में निगरानी रखेंगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

जिले में होली व दुल्हेंडी पर्व पर हुड़दंगियों से निपटने के लिए पुलिस ने तैयारियां पूरी कर ली है। पुलिस हुड़दंगियों पर नकेल डालने के लिए पूरी तरह से सतर्क रहेगी। होली व दुल्हेंडी के दिन पुलिस की पीसीआर, डायल-112 व राइडर पूरे क्षेत्र में निगरानी रखेंगी। साथ ही पर्व पर नशा कर हुड़दंग करने वालों को रोकने के लिए सभी थाना प्रभारियों को अल्कोहल सेंसर उपलब्ध करवाए जाएंगे। शराब के नशे में पकड़े जाने पर होली व दुल्हेंडी का पर्व जेल के अंदर ही मनाना पड़ेगा। पुलिस आयुक्त बी सतीश बालन ने सभी जिला वासियों से रंगों का यह पर्व प्यार से मनाने का आह्वान किया है।

होली के त्योहार को आपसी भाईचारे के साथ मनाना चाहिए। कोई ऐसा कार्य नहीं करना चाहिए जिससे दूसरों के स्वाभिमान को ठेस पहुंचे। कुछ लोग होली के मौके पर लड़कियों व महिलाओं के साथ छेड़खानी करने में भी पीछे नहीं रहते तथा ग्रामीण क्षेत्र में होली के दिन लड़ाई-झगड़े भी अधिक होते हैं। होली के मौके पर लड़ाई-झगड़े की नौबत न आए और लोग शांति से होली मनाएं इसके लिए पुलिस ने पहले से ही तैयारी कर ली है। होली व दुल्हेंडी के दिन के लिए पुलिस की ओर से सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। 2500 पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई है। पुलिस ने जिले को अलग-अलग जोन में बांटा है। साथ ही 16 पीसीआर, 33 डायल-112 और 72 बाइक राइडर होली पर गश्त कर हुड़दंगियों की निगरानी करते रहेंगे।

सभी थाना प्रभारियों को दिए गश्त करने के निर्देश : पुलिस आयुक्त

पुलिस आयुक्त बी सतीश बालन ने कहा कि सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था चौकस करने के लिए गश्त करने के निर्देश दिए हैं। पीसीआर व बाइक राइडरों की विशेष गश्त भी सुनिश्चित की गई है। उन्होंने सभी जिला वासियों को होली की शुभकामनाएं देते हुए इस त्यौहार को भाईचारे व सौहार्द के साथ मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि लोग होली तो मनाएं लेकिन किसी के साथ जबरदस्ती न करें। अगर कोई इस तरह की हरकत करता हुआ पाया गया तो पुलिस उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेगी।

वाहन सवारों व लड़कियों पर गुब्बारे न फेंके

पुलिस ने हुड़दंग करने वालों को सख्त निर्देश दिए है कि वाहन चालकों व महिलाओं और लड़कियों पर गुब्बारे न फेंके। गुब्बारे फेंकने वालों के खिलाफ पुलिस कानूनी कार्रवाई करेगी। साथ ही सार्वजनिक वस्तुओं को नुकसान पहुंचाने वालों से भी सख्ती से निपटा जाएगा। इसके लिए जगह-जगह महिला व पुरुष पुलिस कर्मियों को सादे कपड़ों में भी तैनात किया जाएगा।

ट्रैफिक पुलिस को उपलब्ध करवाएंगे अल्कोहल सेंसर

सभी थाना व ट्रैफिक प्रभारियों को अल्कोहल सेंसर उपलब्ध करवाए जाएंगे। जिससे वह शराबियों पर नकेल कस सके। साथ ही पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि शराब के नशे में पकड़े गए लोगों को होली पर्व पर जेल के अंदर ही बंद करके रखे। साथ ही उनका चालान भी काटा जाए।

होली पर्व को लेकर नागरिक अस्पताल के आपातकालीन कक्ष में अलग से चिकित्सकों की तैनाती

- शिफ्ट के हिसाब से एक-एक चिकित्सक की अतिरिक्त तैनाती, स्पेशलिस्ट चिकित्सकों को ऑन कॉल तैनात रहने के निर्देश
- छुट्टी लेने से पहले प्रधान चिकित्सक अधिकारी व जिला स्वास्थ्य अधिकारी से लेनी होगी परमिशन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

होली पर्व को लेकर नागरिक अस्पताल प्रबंधन की तरफ से अस्पताल के आपातकालीन कक्ष में अलग से चिकित्सकों की तैनाती की गई है। अस्पताल में शिफ्ट के हिसाब से चिकित्सकों की तैनी के साथ शिफ्ट में अलग से एक-एक चिकित्सक की तैनाती की गई है। प्रबंधन की तरफ से स्पेशलिस्ट चिकित्सकों को ऑनकॉल तैनात रहने के निर्देश दिए गए है। साथ ही चिकित्सकों को आपातकालीन स्थित में अवकाश लेने के लिए अस्पताल प्रबंधन व जिला स्वास्थ्य अधिकारी की अनुमति लेना अनिवार्य किया गया है। बता दें कि होली पर्व को लेकर लोगों के घायल होने सहित अन्य मामले में स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए प्रबंधन की तरफ से आपाताकालीन कक्ष में शिफ्ट के हिसाब से एक-एक चिकित्सक की अलग से तैनाती की गई है। अस्पताल में तीन शिफ्ट होती हैं। इन शिफ्ट में अब दो-दो चिकित्सक तैनात रहते है। वहीं दो चिकित्सकों के साथ एक चिकित्सक की अलग से डयूटी लगाई गई है। वहीं इसके साथ स्पेशलिस्ट डॉक्टर की ऑन कॉल ड्यूटी लगाई है। पीएमओ व सिविल सर्जन को सूचना दिए बिना यह सेंटर नहीं छोड़ सकेंगे।

तेज रफ्तार कार ने मजदूरों को चपेट में लिया, एक की मौत एक घायल

- रोहतक के पीजीआई में तोड़ा दम, पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंपा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-44 पर बहालगढ़ फ्लाईओवर के पास तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। तेज रफ्तार कार ने मजदूरी करके घर लौट रहे मजदूरों को चपेट में ले लिया। हादसे में दोनों घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए नागरिक अस्पताल में लाया गया। जहां चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद रोहतक पीजीआई रेफर कर दिया। पीजीआई में एक घायल ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया। पुलिस ने कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

बहालगढ़ निवासी रोहित ने बताय कि वह मेहनत-मजदूरी का काम करता है। गत 21 मार्च को देर शाम 7.20 बजे उसका भाई राहुल व किराए पर रहने वाला सोनू निवासी हरदोई यूपी दोनों मजदूरी का काम करता थे। दोनों पैदल अपने घर बहालगढ़ आ रहे थे। पीछे से एक तेज रफ्तार कार ने उन्हें बहालगढ़ रोड फ्लाई ओवर के पास से चपेट में ले लिया। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए नागरिक अस्पताल में लाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाउ उसे पीजीआई रेफर कर दिया। पीजीआई में उपचार के दौरान राहुल की मौत हो गई। मामले की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया। जांच अधिकारी एसआई मंजीत सिंह ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। जल्द से जल्द आरोपित कार चालक को काबू कर आगामी कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

पहलवान कुणाल ने कैडेट कुश्ती में जीता रजत

खरखौदा। गांव थाना कलां के पहलवान कुणाल ने हिसार में आयोजित कैडेट कुश्ती प्रतियोगिता में रजत पदक प्राप्त कर परिवार व क्षेत्र का नाम रोशन किया है। परिजनों के अनुसार कुणाल पुत्र नरेश कुमार ने अंडर 15 आयु वर्ग के 62 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक हासिल किया है। उसकी उपलब्धि पर उसके पैतृक गांव थाना कलां में खुशी की लहर है। ज्ञातव्य है कि उदीयमान पहलवान कुणाल इन दिनों खरखौदा के भारत केसरी जोगिंद्र पहलवान अखाड़ा में कुश्ती के दांव-पेंच सीख रहा है। उसने पिछले महीने ही मिर्चपुर में आयोजित हरियाणा स्टेट कुश्ती प्रतियोगिता में अंडर 15 आयु वर्ग के 62 किलोग्राम भार वर्ग में ही स्वर्ण पदक प्राप्त किया था। परिजनों के साथ साथ अखाड़ा संचालक को भी कुणाल से काफी उम्मीदें हैं।

ऑनलाइन कमाई का झांसा देकर 7.24 लाख ठगे

- साइबर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

साइबर ठगों ने युवक को रेटिंग देकर और टास्क पूरे कर ऑनलाइन कमाई का झांसा देकर 7.24 लाख रुपये की ठगी कर ली। साइबर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

न्यू ब्रह्म कॉलोनी निवासी अंकुश गुलाटी ने पुलिस को उनके व्हाट्सएप एप पर एक युवती की तरफ से मैसेज भेजकर ऑनलाइन काम का ऑफर दिया गया। निशिता नाम की युवती की तरफ से भेजे गए मैसेज में लिंक पर रेटिंग देकर कमीशन देने की बात कही गई। उन्हें व्हाट्सएप ग्रुप में शामिल कर लिया गया। जिसके बाद कुछ लिंक पर रेटिंग देकर 800 से 1000 रुपये दिए गए। बाद में उन्हें टेलीग्राम ग्रुप में शामिल कर लिया गया। इसके बाद उन्हें 2000 रुपये फीस जमा करवा कर और ज्यादा कमाई के बारे में बताया गया। जिस पर उसने दिए गए अकाउंट में रुपये जमा करवा दिए। उन्हें लिंक भेज कर खाते बना कर काम करने को कहा गया। जिसके बाद उन्हें बिटक्वाइन प्रोडक्ट में निवेश करने को कहा गया। ऐसा करने के बाद उनके खतो में 2800 रुपये दिखाई देने लगे। वह रुपये उसके बैंक खाते में भी आ गए। ऐसे की लालच देकर 18 मार्च को अलग-अलग खातों में उससे 724800 रुपये डलवाए गए। टास्क पूरा होने पर उसके खाते में 10.83 रुपये दिखाई देने लगे। जब उन्होंने रुपये बैंक खाते में डालने का प्रयास किया तो उन्हें और टास्क दिए गए। जिसके चलते उन्हें अहसास हुआ कि उनके साथ साइबर ठगी हुई है।

होली में रंग उड़ाने के साथ कमा सकते हैं अच्छा पैसा

- कई बिजनेस कुछ ही दिन में करा सकते हैं जबरदस्त कमाई
- खाने-पीने की चीजें बेचकर भी हो सकते हैं मालामाल
- हर्बल रंग बेचकर भी आप कमा सकते हैं बढ़िया पैसा
- कर सकते हैं गिफ्ट और हैम्पर्स का भी बिजनेस कर सकते हैं

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

इस दिनों देशभर में चुनाव के साथ होली का भी खुमार छाया हुआ है। हर तरफ होली की रंगत छाई हुई है। होली अब बहुत नजदीक है। चारों ओर रंगों के इस त्योहार को लेकर तैयारियां चल रही हैं। आप भी इस त्योहार में अपनी खुशियों को डबल कर सकते हैं, यानी रंग उड़ाने के साथ अच्छा पैसा भी कमा सकते हैं। बस जरूरत है छोटी सी शुरूआत करने की। त्योहार मनाने के साथ-साथ अगर कमाई भी हो जाए तो आपकी खुशी कई गुना बढ़ जाती है। इसलिए आप भी होली को ध्यान में रखते कुछ बिजनेस आइडिया पर काम करें और अच्छा पैसा कमाएं। रंग और गुलाल, पिचकारी और खिलौनों का बिज़नेस, मिठाई-नमकीन का सामान, पूजा सामग्री, टूर-ट्रेवल, होली इवेंट एक्सपीरियंस, होली हैम्पर्स व गिफ्ट्स और खाने पीने की सामग्री समेत कई बिजनेस आपको कुछ ही दिनों में अच्छा पैसा कमाकर दे सकते हैं। यह आपकी खुशियों को दोगुना-तिगुना कर देंगे। इसमें 1-2 काम तो आप होली के बाद भी जारी रख कर या इसे नियमित में तब्दील कर सकते हैं और बाद में इनका विस्तार भी कर सकते हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे ऐसे ही कुछ बिजनेस आईडियाज जो आपको करवा सकते हैं बढ़िया कमाई।

रंगों का व्यापार

होली में रंग न हो ऐसा हो ही नहीं सकता है। रंगों को लेकर लोगों के बीच आजकल काफी जागरूकता देखने को मिल रही है। वह सिंथेटिक और हार्ड कलर की बजाय हर्बल कलर्स को ज्यादा तवज्जो दे रहे हैं। आप हर्बल कलर बेचकर अच्छी कमाई कर सकते हैं। आप इन्हें घर पर खुद ही बना सकते हैं। हर्बल कलर बनाने के लिए आपको गुलाब के पत्ते, इंडिग, मेंहदी, हल्दी, दही आदि की जरूरत होगी। आप यूट्यूब से भी हर्बल कलर बनाना सीख सकते हैं। बड़ों से ज्यादा बच्चे रंग, गुब्बारों और गुलाल की खरीदारी करते हैं। होली पर बच्चे से लेकर बूढ़े तक को रंग, अबीर, गुलाल की तो ज़रूरत होती ही है। ऐसे में आप रंग बेचने का बिज़नेस शुरू कर सकते हैं। आप घर से ऑर्गेनिक रंग बनाकर भी बेच सकते हैं। बाज़ार में बिकने वाले कैमिकल कलर से बचाव के लिए अब लोग ऑर्गेनिक कलर पर ध्यान देने लगे हैं। ऐसे में आप घर से ही इस बिज़नेस को शुरू कर सकते हैं। इस बिज़नेस को छोटे स्तर पर महज़ 3 से 4 हज़ार की कीमत पर शुरू कर सकते हैं और अच्छे दामों पर बेच सकते हैं।

खाने-पीन की सामग्री

होली के दिन घरों में खूब पकवान बनाए जाते हैं। मिठाई-नमकीन की तो खूब डिमांड होती है। घरों में गुजिया, मट्ठी जैसे कई स्नैक्स बनाए जाते हैं। ऐसे में आप इन्हें बनाने का कच्चा माल भी बेच सकते हैं, या इन्हें बनाकर भी बेच सकते हैं। होली के दिन मेहमानों का स्वागत करने के लिए अलग-अलग प्रकार की मिठाइयां भी तैयार की जाती हैं। आप तरह-तरह की मिठाइयां बनाकर भी बेच सकते हैं। अपना माल घर ही में तैयार कर लें या कारीगर बुलाकर तैयार करा लें। इसके अलावा होली के मौके पर आम तौर पर चलने वाले चावल के पापड़, आलू के पापड़, मैदे के पापड़, साबूदाना के पापड़, चिप्स, भुजिया बनाकर कच्चे ही बेचे जा सकते हैं। होली के समय पर इन सामानों के खरीदार काफी होते हैं, ऐसे में आप लोगों की इन ज़रूरतों को पूरा करके अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं।

होली इवेंट

आप एक होली इवेंट आयोजित कर लोगों को इस त्योहार को बड़े स्तर पर मनाने का आनंद दे सकते हैं। इसके लिए टिकट रख सकते हैं। ऐसे इवेंट में सबसे जरूरी होगा कि आप एक सुरक्षित माहौल मुहैया कराएं। महिलाओं और बच्चों के लिए विशेष व्यवस्था की जाए। आप यहां खाने-पीने की सामग्री, पानी, रंग आदि की व्यवस्था कर अलग-अलग इलाकों में रहने में वाले लोगों को एक साथ ला सकते हैं। वैसे भी होली गिले शिकवे भूलने और एक दूसरे को गले लगाकर रंग लगाने का त्योहार है। त्योहार पर ऐसे कार्यक्रम से आपको भी अच्छी कमाई होगी और बच्चे, बूढ़े और जवान एक सुरक्षित महौल में होली को त्योहार मनाकर रोमांचित और खुश होंगे।

होली हैम्पर्स व गिफ्ट्स

होली पर लोग एक-दूसरे को गिफ्ट देना भी पसंद कर सकते हैं। आप गिफ्ट व हैम्पर्स बनाकर पैसा बना सकते हैं। यह ऐसा बिजनेस है जिसे आप होली के बाद भी जारी रख सकते हैं। भारत त्योहारों का देश है और यहां हमेशा कोई न कोई त्योहार मनाया ही जाता है। त्योहार न भी हो तो भी एनिवर्सिरी व बर्थडे जैसे सेलिब्रेशन में भी इनकी जरूरत पड़ती ही है।

पूजा सामग्री

होली से एक दिन पहले होलिका दहन के दिन पूजा भी की जाती है। ऐसे में पूजा के सामान की हर किसी को ज़रूरत होती है। आप होली से पहले पूजा सामाग्री बेचने का भी बिज़नेस शुरू कर सकते हैं। आप धूप, अगरबत्ती, बताशे, फूल, माला इत्यादि को रख कर अच्छे दाम पर ग्राहकों को बेच सकते हैं। यह बिज़नेस केवल होली में ही नहीं बल्कि साल भर चल सकता है। आप इससे अच्छी कमाई कर सकते हैं। इस दिन बच्चों के लिए फलों, बिस्किट, चॉकलेट और अन्य खाद्य सामग्री की माला बनाई जाती है। ऐसे में आप बच्चों की माला बनाने का काम भी कर सकते हैं।

टूर-ट्रेवल

अक्सर लोग काम की तलाश में दूसरे शहर में रहते हैं। होली के मौके पर हर कोई अपने घर आना चाहता है, लेकिन टिकट की मारामारी के बीच उन्हें घर जाने के लिए टिकट नहीं मिलती। ऐसे में आप ट्रैवल ऐजेंट के रूप में टिकट की बुकिंग कर सकते हैं। बस आपके पास प्रिंटर, लैपटॉप और वाइ-फाई कनेक्शन होना चाहिए। होली के मौके पर कई लोगों को ऑफिस से जल्दी छुट्टी भी नहीं मिल पाती। इसलिए वो पहले से टिकट बुक नहीं करा पाते। इसलिए आप उनकी टिकट बुक करने में मदद कर सकते हैं। कई लोग टिकट पाने के लिए थोड़ा ज्यादा पैसा खर्च करने को भी तैयार हो जाते हैं। आप इस बिज़नेस के ज़रिए अच्छी कमाई कर सकते हैं। होली के मौके पर न केवल आप इस त्यौहार का पूरा आनंद ले सकते हैं, बल्कि आप इस त्यौहार को अवसर के रूप में भुना कर अच्छी कमाई भी कर सकते हैं।

एसआईपी में 10% का नियम जल्द बना सकता है करोड़पति

सुझाव
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी निवेश करना चाहते हैं या कर रहे हैं तो एक बात गांठ बांध लें फिर आपको करोड़पति बनाने से कोई नहीं रोक सकता है। बस जरूरी है तय लक्ष्य के साथ जल्द और सधी हुई शुरूआत करने की। फिर देखना आप आसानी से बिना किसी परेशानी के अपने सपने पूरे कर सकते हैं। अगर आपको ऐसा लगता है कि सिर्फ बड़े निवेश से ही बड़ा फंड तैयार होता है तो आपको इस सोच को बदल लेना चाहिए। आज के समय में ऐसी तमाम स्कीम्स हैं, जिसमें आप अगर छोटे अमाउंट से भी शुरुआत करेंगे तो बड़ा फंड तैयार कर सकते हैं। एसआईपी उसमें से एक है। इसके के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश किया जाता है। इस स्कीम में अगर आप लंबे समय के लिए अनुशासित होकर निवेश करें तो काफी बड़ा फंड जमा कर सकते हैं। एसआईपी के जरिए अगर आप करोड़पति बनना चाहते हैं तो आपको 10% वाला एक फॉर्मूला अच्छे से समझ लेना चाहिए। अगर आप इस फॉर्मूले के साथ सिर्फ 3000 रुपये की भी मासिक एसआईपी शुरू करें तो कुछ ही सालों में आपका करोड़पति बनना तय है। सिर्फ आप इन नियम को अपने पोर्टफोलियों में उतार लें इसके बाद आंखें बंद करके भी निवेश करेंगे तो आपको अमीर बनने से कोई नहीं रोक पाएंगा। तो आइये इस रिपोर्ट के जरीये जानते हैं कि आखिर वह 10 फीसदी वाला फॉर्मूला क्या है जो आपको पूंजीपति यानी करोड़पति बनाएगा।

3000 रुपये से भी शुरू करेंगे निवेश तो होंगे मालामाल

छोटे से निवेश भी आपको मिल सकता है बढ़िया रिटर्न, अनुशासित होकर निवेश करें तो काफी बड़ा फंड जमा कर सकेंगे

एसआईपी के जरिए आप आसानी से करोड़पति बन सकते हैं

क्या 10 प्रतिशत वाला फॉर्मूला

अब हम आपको बताते हैं 10% वाला फॉर्मूला। इसके तहत आप जितने रुपये से भी एसआईपी में निवेश शुरू करते हैं, उसमें हर साल 10 प्रतिशत अमाउंट बढ़ाते जाना है। मान लीजिए कि आप 3,000 रुपये महीने की एसआईपी शुरू करते हैं तो एक साल बाद आपको 3,000 में 10 फीसदी के हिसाब से 300 रुपये बढ़ाने होंगे यानी अगले साल आप 3300 रुपये की एसआईपी पूरे एक साल चलाएंगे। इसके अगले साल में 3,300 का 10 फीसदी यानी 330 का अमाउंट इसमें और एड करना है। इस तरह 3,630 रुपये की एसआईपी आपको पूरे एक साल तक चलानी होगी। उसके अगले साल 3,630 का 10 फीसदी अमाउंट उसी एसआईपी में बढ़ाना है। इस तरह आपको हर साल निवेश की रकम का 10 फीसदी उसमें बढ़ाते रहना है।

अब समझिए कैसे बनेंगे करोड़पति

पहला नियम: 10 फीसदी फॉर्मूले के हिसाब से आपने अगर 25 साल की उम्र पर 3,000 रुपये को एसआईपी में निवेश करना शुरू किया है और इस निवेश को हर साल 10 प्रतिशत के हिसाब से बढ़ाते हुए लगातार 25 से 30 साल तक जारी रखा तो आप करोड़पति बन जाएंगे। दरअसल, एसआईपी में औसतन रिटर्न 12 फीसदी का माना जाता है। ऐसे में अगर आप इस निवेश को 10 प्रतिशत के फॉर्मूले के साथ 25 सालों तक जारी रखते हैं तो 25 सालों में आपका कुल निवेश 35,40,494 रुपये का होगा। 12 फीसदी के हिसाब से इस पर 92,86,144 रुपये ब्याज मिलेगा और मैच्योरिटी पर आप 1,28,26,638 रुपये के मालिक होंगे।

दूसरा नियम: अगर आप इस निवेश को लगातार 30 सालों तक जारी रखते हैं तो आप 30 सालों में 59,21,785 रुपये इन्वेस्ट करेंगे। 12 फीसदी के हिसाब से ब्याज के तौर पर आपको 2,05,80,586 रुपये मिलेंगे और मैच्योरिटी पर आप 2,65,02,371 रुपये के मालिक बन जाएंगे। इस तरह आप सिर्फ 3,000 रुपये से एसआईपी में निवेश शुरू करके 25 से 30 सालों में खुद को करोड़पति बना सकते हैं।

- प्योर टर्म, एंडोमेंट, यूएलआईपी, मनीबैक या फिर पेंशन प्लान
- कौन सी बीमा पॉलिसी आपके लिए रहेगी बेस्ट एक बार जांच लें
- इसके बाद ही बीमा पॉलिसी खरीदने को बनाएं अपनी रणनीति

ध्यान दें कौन सी लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी खरीदने में है समझदारी

जानकारी
बिजनेस डेस्क

क्या आप अपने लिए एक सही और सटीक लाइफ इंश्योरेंस प्लान खरीदने का फैसला सिर्फ इसलिए नहीं कर पा रहे, क्योंकि बाजार में मौजूद जीवन बीमा प्रोडक्ट्स की भारी भीड़ ने आपको कनफ्यूज कर दिया है? अगर आपका जवाब हां में है, तो ऐसे असमंजस में फंसने वाले आप अकेले व्यक्ति नहीं हैं। मनीबैक पॉलिसी, यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान (यूएलआईपी), पेंशन प्लान और भी न जाने क्या-क्या! दरअसल लाइफ इंश्योरेंस स्कीम्स के इतने सारे ऑप्शन मार्केट में मिल रहे हैं कि किसी भी व्यक्ति को फैसला लेने में कनफ्यूजन हो सकता है। हम यहां इसी उलझन को दूर करने की इस रिपोर्ट के जरीये कोशिश करेंगे।

लाइफ इंश्योरेंस क्यों जरूरी

सबसे पहली बात तो यह है कि किसी भी ऐसे व्यक्ति के लिए लाइफ इंश्योरेंस प्लान लेना बेहद जरूरी है, जो अपने परिवार की जिम्मेदारी संभाल रहा हो या जिस पर बहुत से लोग आर्थिक तौर पर निर्भर हों। अगर ऐसे व्यक्ति के साथ कोई हादसा हो जाए, तो उनके परिवार के लिए जीवन बीमा पॉलिसी एक बड़ा सहारा साबित हो सकती है। इसलिए तमाम कनफ्यूजन को दूर करके जल्द से जल्द लाइफ इंश्योरेंस प्लान खरीद लेने में ही समझदारी है। अब बात करते हैं कि ज्यादातर लोगों के लिए कौन सा प्लान लेना आमतौर पर सही रहता है।

निवेश कितना सही

एंडोमेंट प्लान हो, यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान (यूएलआईपी) हों या मनीबैक पॉलिसी या फिर पेंशन प्लान। इन सभी में इंश्योरेंस और इनवेस्टमेंट का कंबिनेशन देखने को मिलता है। इन सबको मिलाकर आप हाइब्रिड इंश्योरेंस प्लान भी कह सकते हैं। ऐसे प्लान को बेचते समय आम तौर पर यही कहा जाता है कि इनमें आपको बीमा और निवेश, दोनों का लाभ मिलता है। सैद्धांतिक तौर पर तो यह बात सही है, लेकिन व्यावहारिक रूप से ऐसा होता नहीं है। इसकी वजह यह है कि हाइब्रिड प्लान आमतौर पर महंगे पड़ते हैं यानी ऊंचा सम-इंश्योर्ड चाहिए तो प्रीमियम काफी अधिक हो जाता है, जिसके चलते इनके जरिये लोग आम तौर पर हाइब्रिड प्लान में पर्याप्त लाइफ कवर नहीं ले पाते और अगर लाइफ कवर पर्याप्त नहीं हो, तो जीवन बीमा का उद्देश्य ही अधूरा रह जाता है।

बहुत सफल नहीं होता

हाइब्रिड प्लान अपने दूसरे मकसद यानी इनवेस्टमेंट ऑप्शन के तौर पर भी बहुत सफल नहीं होता। ऐसा इसलिए क्योंकि इनमें निवेश पर मिलने वाला रिटर्न आमतौर पर बेहद मामूली होता है। ऐसा इसलिए क्योंकि निवेश की गई रकम के जरिए ही इंश्योरेंस भी दिया जाता है, जिसके एवज में बीमा कंपनी आपके रिटर्न में से ही नियमित रूप से मॉर्टैलिटी चार्जेज भी काटती है।

प्योर टर्म प्लान के क्या फायदे

हाइब्रिड प्लान से अलग, प्योर टर्म प्लान आपको काफी कम प्रीमियम में ऊंचा कवरेज दे सकते हैं। ऐसा इसलिए संभव हो पाता है, क्योंकि बीमा कंपनी आपसे प्योर टर्म प्लान के लिए जो प्रीमियम वसूल करती है, वह सिर्फ इंश्योरेंस के लिए ही होता है। प्योर टर्म प्लान में कोई सर्वाइवल बेनिफिट नहीं मिलता। यानी बीमा का लाभ इंश्योर्ड व्यक्ति के साथ कोई अनहोनी होने पर ही मिलता है। पहली बार में ऐसा लग सकता है कि प्योर टर्म प्लान के प्रीमियम के लिए किया गया भुगतान सर्वाइवल की स्थिति में पूरी तरह बेकार चला जाता है, लेकिन ऐसा नहीं है। दरअसल प्योर टर्म प्लान का असली फायदा आपको इतना बड़ा लाइफ कवरेज मुहैया कराना है, जिसे किसी भी हाइब्रिड प्लान में अफोर्ड कर पाना बेहद मुश्किल है। मिसाल के तौर पर 1, 2 या 5 करोड़ रुपये का प्योर टर्म प्लान भी काफी अफोर्डेबल होता है, जबकि किसी भी हाइब्रिड प्लान में इतना बड़ा कवरेज लेने के लिए आपको साल में लाखों रुपये का प्रीमियम देना पड़ सकता है।

इंश्योरेंस और निवेश को अलग-अलग रखना बेहतर

अगर आप अपने लाइफ इंश्योरेंस और निवेश के लक्ष्य को अलग-अलग रखें तो दोनों ही मामलों में बेहतर रहेगा। ऐसा करने पर आप कम प्रीमियम पर पर्याप्त कवरेज ले पाएंगे और निवेश पर बेहतर रिटर्न भी कमा लेंगे। ऐसा करने का सबसे सीधा तरीका यही है कि आप जीवन बीमा के लिए प्योर टर्म प्लान पर भरोसा करें। वहीं, निवेश के लिए अपने रिस्क प्रोफाइल के हिसाब से पीपीएफ, बैंक एफडी से लेकर म्यूचुअल फंड एसआईपी तक किसी और विकल्प का चुनाव कर सकते हैं। सबसे बेहतर रणनीति तो यही होगी कि आप जीवन बीमा के लिए प्योर टर्म प्लान खरीदें और फिर प्रीमियम में होने वाली बचत को किसी अच्छे म्यूचुअल फंड में एसआईपी के जरिए निवेश कर दें।

एमएफ में क्या होता है एनएवी, आखिर कैसे किया जाता तय

बिजनेस डेस्क। सभी स्कीम के तहत म्यूचुअल फंड योजनाओं की यूनिट्स (लिक्विड और ओवरनाइट फंड को छोड़कर) सिर्फ संभावित एनएवी (नेट एसेट वैल्यू) पर अलॉट की जाती हैं। म्यूचुअल फंड कट-ऑफ समय के बाद भी आवेदन स्वीकार कर सकता है, लेकिन आपको अगले कारोबारी दिन का एनएवी मिलेगा। किसी म्यूचुअल फंड का एनएवी प्रतिभूतियों के बाजार मूल्य की तरह दिन-प्रतिदिन के आधार पर बदलता है। म्यूचुअल फंड स्कीम का प्रदर्शन उसकी प्रति यूनिट एनएवी द्वारा दर्शाया जाता है। प्रति यूनिट एनएवी किसी स्कीम की प्रतिभूतियों के बाजार मूल्य को किसी निश्चित तारीख पर योजना की यूनिट्स की कुल संख्या से विभाजित किया जाता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, इसे ऐसे समझा जा सकता है कि अगर किसी म्यूचुअल फंड योजना की प्रतिभूतियों का बाजार मूल्य 200 लाख रुपये है और म्यूचुअल फंड ने निवेशकों को 10 रुपये की 10 लाख यूनिट जारी की हैं तो फंड की प्रति यूनिट एनएवी 20 रुपये (200लाख/10 लाख) होगा। किसी म्यूचुअल फंड का एनएवी प्रतिभूतियों के बाजार मूल्य की तरह दिन-प्रतिदिन के आधार पर बदलता है।

आखिर में एनएवी घोषित होती है

शेयरों के उलट, जहां कीमत शेयर बाजार द्वारा संचालित होती है और मिनट-दर-मिनट बदलती रहती है, सेबी म्यूचुअल फंड विनियमों के मुताबिक, बाजार बंद होने के बाद हर ट्रेडिंग दिन के आखिर में म्यूचुअल फंड योजनाओं की एनएवी घोषित की जाती है। सभी स्कीम के तहत म्यूचुअल फंड योजनाओं की यूनिट्स(लिक्विड और ओवरनाइट फंड को छोड़कर) सिर्फ संभावित एनएवी पर अलॉट की जाती हैं। म्यूचुअल फंड कट-ऑफ समय के बाद भी आवेदन स्वीकार कर सकता है, लेकिन आपको अगले कारोबारी दिन का एनएवी मिलेगा।

क्या है नेट एसेट वैल्यू फॉर्मूला

एसबीआई सिक्योरिटीज के मुताबिक, नेट एसेट मूल्य (एनएवी) का कैलकुलेशन निम्न फॉर्मूला के तहत निकाला जा सकता है:-

एसेट का शुद्ध मूल्य=(कुल संपत्ति-कुल देनदारियां)/फंड की कुल बकाया यूनिट्स नेट एसेट वैल्यू के फॉर्मूला को समझने के बाद, अगला कदम नेट एसेट वैल्यू में परिवर्तनों को समझना जरूरी है।

मान लीजिए कि आपने म्यूचुअल फंड स्कीम के एनएफओ (नए फंड ऑफरिंग) में 10 रुपये की एनएवी पर निवेश किया है। 3 महीने के बाद, एनएवी 11.22 रुपये तक बढ़ सकती है। तो उस स्थिति में, म्यूचुअल फंड योजना ने 12.2%=(11.22-10)/10) X 100 का रिटर्न जेनरेट किया है।

निवेशकों के लिए एनएवी क्यों है प्रासंगिक : नेट एसेट वैल्यू (एनएवी) एक निश्चित अवधि में धन प्रभाव को दर्शाता है। जैसे अगर किसी फंड का एनएवी 1 साल0 में 100 रुपये से बढ़कर 118 रुपये हो गया है, तो इसे एक वर्ष में निवेश पर 18% रिटर्न के रूप में समझा जा सकता है। शुद्ध संपत्ति मूल्य तुलना की अनुमति देता है। हालांकि आप सीधे एनएवी पर तुलना नहीं करते हैं, आप एनएवी पर उत्पन्न रिटर्न से तुलना कर सकते हैं। इससे एक कैटेगरी के भीतर और विभिन्न श्रेणियों में फंड के चयन में मदद मिलती है। नेट एसेट वैल्यू,फंड द्वारा अपने निवेशकों को कम्यूनिकेशन का एक महत्वपूर्ण साधन है कि फंड कैसा प्रदर्शन कर रहा है क्योंकि पोर्टफोलियो का खुलासा केवल मासिक आधार पर होता है।

एडवांस वॉर्निंग सिस्टम : एनएवी निवेशकों के लिए एडवांस वॉर्निंग सिस्टम के रूप में काम कर सकता है। जैसे अगर किसी इक्विटी फंड के एनएवी में बढ़ोतरी या एनएवी में गिरावट सूचकांक के साथ तालमेल से बाहर है, तो निवेशकों के लिए करीब से देखने के लिए कुछ तो है। नेट एसेट वैल्यू (एनएवी) की गणना प्रतिदिन की जाती है और यह निवेशकों को उनके फंड के प्रदर्शन का आकलन करने में सहायता करती है।

बचत कई तरीकों से निवेश कर तैयार कर सकते हैं मोटा पैसा, नहीं होगी आर्थिक परेशानी

बच्चों के भविष्य की नहीं लें टेंशन जल्द शुरू करें निवेश की प्लानिंग

सही समय पर योजना बनाएं और आर्थिक रूप से सुरक्षित बनें

लक्ष्य
बिजनेस डेस्क

अक्सर अभिभवकों को अपने बच्चों के भविष्य को लेकर हमेशा की चिंता रहती है। जैसे बच्चों के भविष्य के लिए कैसे बेहतर से बेहतर जो फाइनेंशियल प्लानिंग की जाए। जिससे बच्चों के भविष्य को बेहतर तरीके से सुरक्षित किया जा सके और खुद भी आर्थिक रूप से सुरक्षित बन सकें। अगर आप भी अपने बच्चे के भविष्य को सुरक्षित करना चाहते हैं, तो फिर इसके लिए आपको सही समय पर सही योजना बनाने की जरूरत होती है। निवेश के लिए एक बेहतर योजना तैयार कर जल्द से जल्द निवेश शुरू कर दें। जिससे बच्चे को भविष्य में शिक्षा, स्टार्टअप के लिए पैसे की आवश्यकता पड़े, तो फिर उन बड़े खर्चों को आसानी से पूरा किया जा सके। अभिभावकों को बच्चों के लिए लक्ष्य तय कर निवेश करना होगा। तभी समय रहते बच्चों की शिक्षा या बिजनेस शुरू करवाने के लिए आपके पास अच्छा पैसा होगा। इस रिपोर्ट के जरिये हम आपको बताएंगे पांच ऐसे टिप्स जो आपको आर्थिक रूप से मजबूत बनाएंगे और आपके बच्चों के भविष्य को भी सुरक्षित करेंगे। इसटिप्स से आप अपने बच्चे के भविष्य के लिए बेहतर फाइनेंशियल प्लानिंग कर सकते हैं।

पहला जल्द निवेश शुरू करें

जब बच्चा जन्म लेता है। उस समय ही माता-पिता को बच्चे के भविष्य के लिए पैसे की बचत करनी शुरू कर देनी चाहिए। ये तरीका निवेश का एक काफी शानदार तरीका माना जाता है। अगर इस तरह माता-पिता बच्चे के भविष्य के लिए निवेश शुरू करते हैं, तो फिर इससे निवेश के बढ़ाने के लिए उनके पास और अधिक वक्त मिल सकता हैं। साथ ही जो पोर्टफोलियो है, उसमें इक्विटी म्यूचुअल फंड को भी जोड़ सकते हैं और पोर्टफोलियो में विविधता ला सकते हैं। अगर आप इस तरीके को निवेश में आजमाते हैं, तो फिर ये आपको जो बेहतर रिटर्न है उसको हासिल करने में काफी मदद कर सकते हैं। इससे आपको कभी दिक्कत नहीं होगी और आप आसानी से बच्चों भविष्य के लिए आर्थिक प्लानिंग कर सकेंगे।

दूसरा : लक्ष्य तय करें

आपका जो भी निवेश है उसको प्रभावी बनाने का एक बेहतर तरीका है। अगर आप निवेश कर रहे हैं, तो फिर आप पहले तय कर लें कि आप जो निवेश कर रहे है उसको किस खर्च के लिए बचा रहे हैं। साथ ही आप अपने शॉर्ट और लॉन्ग टर्म लक्ष्य हैं उसके हिसाब से पैसे को कहीं निवेश करें।

तीसरा : पोर्टफोलियो में विविधता

निवेश करते समय ध्यान रखें कि आपके पोर्टफोलियो में विविधता हो। किसी एक ही एसेट्स पर भरोसा न करें। निवेश में विविधता लाएं। यह आपके रिटर्न में एक बहुत बड़ा अंतर ला सकता है, क्योंकि देखा गया है कि जो हर वक्त जो एसेट क्लास है। वो अलग तरीकों से काम करती हैं। अगर हम इसको उदाहरण के हिसाब से समझें, तो किसी वर्ष में सोना बेहतर रिटर्न देता है, तो फिर कभी इक्विटी अच्छा रिटर्न देता है।

चौथा : हेल्थ इंश्योरेंस कवर लें

अपने पोर्टफोलियो में आप निवेश को तो शामिल करेंगे ही। इसके साथ ही आपको अपने पोर्टफोलियो में हेल्थ इंश्योरेंस को भी जरूर ही शामिल करना चाहिए। कोरोना महामारी के बाद काफी बड़ी संख्या में ऐसे लोग है। जिन लोगों की इंश्योरेंस के प्रति जो जागरूकता है। वो काफी बढ़ी है। हेल्थ इंश्योरेंस से आप खुद को मेडिकली सुरक्षित महसूस करेंगे। किसी भी बीमारी जैसी आपात स्थिति यह आपके बेहद काम आएगा।

5वां : बच्चों को दें फाइनेंशियल एजुकेशन

अगर आप अपने बच्चों का जो भविष्य है उसको बेहतर और अच्छा बना चाहते हैं, तो फिर आपको अपने बच्चों को फाइनेंशियल एजुकेशन भी देनी चाहिए। उन्हें बचत और निवेश का महत्व बताया जाना चाहिए, ताकि वे भी शुरूआत से ही बचत करें और अपने भविष्य को आर्थिक रूप से सुरक्षित कर सकें। अपने बच्चे को सही समय पर पैसे का महत्व समझाएं। अगर आप इन चीजों का ध्यान रखते हैं तो फिर आप अपने बच्चे के भविष्य को बेहतर कर पांएगे और बच्चा भी आर्थिक रूप से सुदृढ़ रहेगा।

खबर संक्षेप

भाषण प्रतियोगिता में राम प्रथम, जयंत द्वितीय

गोहाना। शनिवार को शहर में गुढ़ा रोड स्थित जवाहरलाल नेहरू सीनियर सेकेंडरी स्कूल में में शहीदी दिवस पर भाषण प्रतियोगिता करवाई गई। विद्यार्थियों ने अपने भाषण के माध्यम से शहीदों को नमन किया। विजेता छात्र-छात्राओं को पारितोषिक देकर सम्मानित किया गया । भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर राम शर्मा, द्वितीय स्थान पर जयंत कुमारी और तीसरे स्थान पर योगिता स्थान पर रही।

गर्भवती,दूध पिलाने वाली माताएं लें पौष्टिक आहार

खरखौदा। शहर के वार्ड संख्या 4 के आंगनबाड़ी केंद्र में पोषण पखवाड़े के तहत पौष्टिक आहार व कुपोषण की जानकारी दी गई। इस अवसर पर स्वस्थ बच्चों की भी प्रतियोगिता कराई गई। सुपरवाइजर शालिनी ने बताया कि गर्भवती व दूध पिलाने वाली माता को पौष्टिक आहार का सेवन करना चाहिए। बच्चों को दुकानों की चीजें न खिलाकर घर में बनाई गई सब्जी, दाल, चावल, गुड़, चना, मौसमी फल का सेवन कराना चाहिए।

गांव आनंदपुर झरोठ में हुआ भ्रातृ यज्ञ समारोह

खरखौदा। गांव आनंदपुर झरोठ की सामान्य चौपाल में सतबीर सूबेदार की अध्यक्षता में महान क्रांतिकारी शहीद भगत सिंह ,राजगुरु, सुखदेव के 93 वें बलिदान दिवस पर राष्ट्र भ्रातृ यज्ञ समारोह आयोजित किया गया। जिसके संयोजक एवं वैचारिक क्रांति के राष्ट्रीय कवि ऋषि पाल भदाना थे। समुद्र नंबरदार, बाल किशन दहिया ने यज्ञ में आहुति दी।

मूक बधिर एवं विकलांग बच्चों के साथ मनाया पर्व

सोनीपत। रोटरी क्लब ऑफ सोनीपत अरडेंट के सदस्यों ने आज रुचि स्कूल के मूक बधिर एवं विकलांग बच्चों के साथ रंगों का पर्व होली बड़ी धूमधाम से मनाया गया। क्लब के प्रधान डॉ. निखिल चुघ ने बताया कि समय-समय पर विशेष अवसरों पर इन बच्चों के साथ अनेक पर्व मनाते रहते हैं। इस अवसर पर क्लब के सदस्यों ने बच्ची को गुलाल लगाया और उन्हें मिठाई भी बांटी। सचिव पुनीत, मीटिंग चेयरमैन विनीत, राजीव जैन, संदीप आहूजा मौजूद रहे।

पक्षियों के लिए किया सकोरा अभियान शुरू

सोनीपत। नेशनल सोशल आगेर्नाईजेशन की ब्रांच सोनीपत द्वारा शहीद भगत सिंह दिवस पर सुभाष चौक पर और बस स्टैंड पर गर्मी को बढ़ते हुए देखकर पक्षियों के लिए सकोरा अभियान चलाया गया। जिसमें पक्षियों के लिए पानी रखा गया है। संस्था के सदस्य रामनिवास ने बताया कि पशुओं और पक्षियों को पानी संस्था का ही नहीं बल्कि हर एक नागरिक को यह कार्य निरंतर करना चाहिए।

विद्यार्थियों ने दिखाया क्रिकेट में दमखम

सोनीपत। ब्राइट स्कॉलर स्कूल में कक्षा तृतीय से पांचवीं तक के विद्यार्थियों के बीच क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। परीक्षाओं के बाद परीक्षा परिणाम मिलने से बच्चे बेहद खुश थे तो वही अगले दिन क्रिकेट मैच खेलने से उन्हें मनोरंजन के साथ साथ एक सकारात्मक ऊर्जा मिली। सभी खिलाड़ियों ने अपनी टीम को जीत दिलाने के लिए हरसंभव प्रयास किए।

अब तक 23.3 लाख क्विंटल गन्ने की पेराई, प्रदेशभर में अव्वल स्थान

सोनीपत चीनी मिल की रिकवरी रेट 11.60 प्रतिशत पर पहुंची

45 वर्षों में पहली बार बना मिल का ऐसा रिकार्ड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। कांटे पर गन्ना डालते क्रेन। फोटो :हरिभूमि

किसानों को हाईटेक सुविधाएं देने में अव्वल सोनीपत चीनी मिल अब रिकवरी के मामले में भी तेजी से अन्य मिलों को पीछे छोड़ता जा रहा है। जिसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि सोनीपत चीनी मिल की रिकवरी रेट 11.60 प्रतिशत तक पहुंच गई है। जोकि प्रदेश की अन्य चीनी मिलों में सबसे ज्यादा है।

दूसरे स्थान पर शाहाबाद चीनी मिल, जबकि तीसरे स्थान पर जींद चीनी मिल पहुंच गया है। एक दिन में 11. 60 प्रतिशत की रिकवरी रेट प्राप्त करके सोनीपत चीनी मिल के अन्य मिलों को छोड़ने के बाद 45 वर्षो में पहली बाद प्रथम स्थान हासिल किया है। चीनी मिल के एमडी ने किसानों व कर्मचारियों को लड्डू खिलाकर खुशियां मनाई है।

बता दें कि सोनीपत चीनी मिल में मौजूदा पेराई सत्र की शुरूआत 27 नवंबर 2023 को की थीं। मिल के दायरे में 185 गांव के 1801 गन्ना उत्पादक आते है। चीनी मिल की पेराई क्षमता प्रतिदिन 22 हजार क्विंटल है। पेराई सत्र की शुरूआत के बाद से ही लगातार तेज गति से गन्ने की पेराई की जा रही है। सोनीपत चीनी मिल में नवंबर माह में शुरू हुए पेराई सत्र में अब तक महज 65 घंटे का ही ब्रेक डाउन हुआ है। ऐसे में गन्ने की रिवकरी रेट काफी बेहतर हुई है। सोनीपत चीनी मिल में अब तक करीब 23 लाख तीन हजार क्विंटल गन्ने की पेराई हुई है। पिछले 24 घंटे के अंदर करीब 20 हजार क्विंटल गन्ने की पेराई हुई है। सोनीपत चीनी मिल प्रशासन ने अप्रैल माह के अंतिम दिनों तक पेराई के लक्ष्य को पूरा करने का फैसला किया है। मिल प्रशासन का लक्ष्य 11.60 प्रतिशत से अधिक रिकवरी रेट प्राप्त करना है। ऐसे में किसानों को मिल प्रशासन ने निर्देश दिए है कि वे ग्रीन टॉप गन्ना लेकर न पहुंचे। साफ-सुथरा गन्ना लेकर आने से रिकवरी रेट बेहतर होता है। चीनी मिल अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार सहकारिता चीनी मिल ने 45 वर्षो में पहली बार ऑनडेट रिकवरी 11.60 प्रतिशत प्राप्त की है। चीनी मिल रिकार्ड के अनुसार 45 वर्ष पूराना हो चुका है, उसके बावजूद मिल की तरफ से रिकार्ड बनाएं जा रहे है। वर्ष 2023-24 के पेराई सत्र के दौरान कुल दो लाख तीस हजार आठ सौ क्विंटल चीनी का उत्पादन 22 लाख 94 हजार क्विंटल गन्ने को पेराई करके किया गया है, जोकि गत वर्ष के पेराई सत्र की तुलना में करीब दो करोड़ का सीधा अतिरिक्त लाभ मिल को मिला है।

और बेहतर करने के प्रयास जारी: एमडी

सोनीपत चीनी मिल में इस बार काफी तेजी और बेहतर ढंग से गन्ने की पेराई की जा रही है। जिसकी वजह से रिकवरी रेट रिकार्ड 11.60 प्रतिशत दर्ज हुई है। टूडेट रिकवरी रेट भी इस बार 10.16 प्रतिशत तक पहुंच गई है। रिकवरी रेट को और बेहतर करने के प्रयास किए जा रहे है। चीनी मिल के कर्मचारियों की मेहनत व गन्ना उत्पादकों द्वारा साफ-सुथरा गन्ना लाने की वजह से मिल रिकार्ड बना रहा है। जोकि काबिले तारीफ है।

डा. संजय कुमार, एमडी, सोनीपत चीनी मिल।

रिकवरी रेट बेहतर

चीनी मिल में गन्ने की रिकवरी रेट इस बार बेहतर है। अब तक करीब 23 लाख क्विंटल गन्ने की पेराई का काम पूरा किया जा चुका है। अब तक 11.60 प्रतिशत की रिकवरी रेट से सोनीपत चीनी मिल प्रदेश में पहले स्थान पर पहुंच गया है। जोकि पूरे प्रदेश में सबसे बेहतर है। उच्च अधिकारियों के दिशा-निर्देश पर मिल में कार्य करने का काम किया जा रहा है। उच्च अधिकारियों के दिशा-निर्देशों पर बेहत्तर कार्य करने का प्रयास किया जा रहा हे। *विनय मलिक, चीफ कैमेंस्टस चीनी मिल सोनीपत।*

गोहाना। शहीद भगत सिंह को नमन करते तीर्थ राणा व अन्य भाजपा नेता।

आजादी के लिए बलिदान देने वालों को किया नमन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

शनिवार को बलिदानी भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के बलिदान दिवस पर जगह-जगह कार्यक्रम हुए। कार्यक्रमों में बलिदानियों को श्रद्धांजलि दी गई और लोगों ने उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। शिक्षण संस्थानों में भी बलिदानियों को श्रद्धांजलि दी गई। भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष तीर्थ राणा ने पार्टी कार्यकताअरं के साथ पुराना बस स्टैंड स्थित भगत सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। भगत सिंह, सुखदेव व राजगुरु को याद करते हुए राष्ट्र भक्ति के जयघोषों के साथ पुष्प अर्पित कर श्रृद्धांजलि दी। कार्यक्रम में डा. रमेश कश्यप, डा. ओमप्रकाश गुप्ता, महाबीर गुप्ता, मुकेश रोहिल्ला, नरेंद्र गहलावत, शेर सिंह बेडवाल, सूरजमल शर्मा, अंजू कालड़ा, मोहित वाल्मीकि और सुमित कक्कड़ ने शहीदों को नमन किया। जनसंघर्ष मंच हरियाणा, समतामूलक महिला संगठन और निर्माण कार्य मजदूर मिस्त्री यूनियन के सयुंक्त तत्वाधान में कार्यकताअरं ने बलिदानी भगत सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके पार्क में सभा आयोजित की। मुख्य वक्ता डा. सीडी शर्मा ने कहा कि भगत सिंह ही वह क्रांतिकारी थे जिन्होंने भारत के राष्ट्रीय आंदोलन को धार्मिक आधार से ऊपर उठा कर क्रांतिकारी ढंग से संगठित किया। अध्यक्षता डा. सुनीता त्यागी ने की और मंच संचालन रमेश ने किया। इस मौके पर सूरजभान चहल, गजेंद्र रावत,अजय प्रकाश, तरुण कांति, संदीप वालिया ने विचार व्यक्त किए।

बलिदान दिवस पर निकाली बलिदान सम्मान यात्रा

खरखौदा। भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव के बलिदान दिवस पर सम्मान यात्रा निकाली गई। यात्रा बरोना ग्राम स्थित समाधि स्थल पर पुष्प अर्जित करके शुरू हुई और खरखौदा के जागृति स्थल पर सम्पन्न हुई। जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं ने सम्मिलित होकर भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर आर्य मनीष ने बताया कि बलिदानियों को याद करना हम सभी का कर्तव्य बनता है, क्योंकि बलिदानियों ने इस देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की भी आहुति दे दी। आज हमारे देश के सभी युवाओं को इन्हीं से प्रेरणा लेकर नशे से दूर होकर देशभक्ति के नशे में चूर होने की आवश्यकता है ।

भगत सिंह और साथियों का बलिदान सबसे बड़ा : मेयर

राष्ट्रीय पंजाबी महासभा का शहीदी दिवस पर कार्यक्रम, मेयर रहे मुख्यातिथि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

कार्यक्रम में पहुंचें मेयर निखिल मदान का स्वागत करते पूर्व विधायक साथ में अन्य।

नगर निगम सोनीपत महापौर निखिल मदान ने शनिवार को शहीदी दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय पंजाबी महासभा द्वारा सेक्टर 15 कम्यूनिटी सेंटर के सीनियर सिटीजन हॉल में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि हिस्सा लिया। इस अवसर पर उन्होंने सरदार भगत सिंह, सुखदेव थापर और शिवम राजगुरु को उनके बलिदान दिवस पर नमन किया और पुष्पांजलि अर्पित कर अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किये। इस अवसर पर बोलते हुए निखिल मदान ने कहा कि आज हम सब आजाद भारतवर्ष में सांस ले रहे हैं वो देश के स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान के कारण ही संभव है। आज ही के दिन सरदार भगत सिंह एवं उनके साथियों ने हंसते-हंसते देश की आजादी के लिए फांसी के फंदे को चूमकर अपने प्राण न्योछावर कर दिए थे। जो देश के इतिहास में सबसे बड़ा बलिदान है। आज देश के युवाओं को अपने असली नायकों के बारे में पता होना चाहिए और राष्ट्र सेवा में उनके नक़्शे कदमों पर चलना चाहिए। निखिल मदान ने कहा की देश के सभी स्वतंत्रता सेनानियों ने सदैव देश हित को आगे रखा और अपना जीवन देश पर कुर्बान कर दिया, आज देश के सभी नागरिकों को इसी रास्ते पर चलने की जरुरत है ताकि देश आगे बढ़ सके। इस दौरान पूर्व विधायक अनिल ठक्कर, गुरुदत्त खुशदिल, सौरभ सचदेवा, प्रेम रेलन, अमित आर्या, लाजपत मुखी, नरेश तनेजा, रवि कपूर, जुगल ज्योति, सोनू कालरा, राज कुमार शर्मा, नरेश खुराना, आरके बतरा, मनोहर वेद किंगर, रमेश अरोड़ा मौजूद रहे।

शहीदों के योगदान से अवगत करवाया

- ओलंपियन अमित कुमार दहिया ने शहीदों की फोटो पर किए पुष्प अर्पित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राई

कार्यक्रम के प्रतिभागी छात्रों को पुरस्कार वितरण के बाद अमित दहिया व अन्य।

गांव नाहरी में शहीद भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव के शहीदी दिवस पर ओलंपियन अमित कुमार दहिया, खेल उपनिदेशक व ग्रामीणों ने शहीदों के चित्र पर पुष्प अर्पित किए और उन्हें भावपूर्वक श्रद्धांजलि दी। दहिया ने युवाओं को देश को आजाद करने में शहीदों के योगदान को युवाओं को बताया। उन्होंने कहा कि शहीदों ने युवा अवस्था में 23 मार्च 1931 को तीनों क्रांतिकारियों ने इंकलाब का नारा लगाते हुए हंसते-हंसते फांसी के फंदे को चूम लिया और भारत माता के लिए बलिदान दे दिया। इस अवसर पर एस.डी.बैडमिंटन अकादमी और ग्रामीणों के सहयोग से बच्चों, लड़के, लड़कियों ,महिलाओं में 65 वर्ष के ऊपर बुजुर्गों की दौड़ का आयोजन किया गया। दौड़ का शुभारंभ अमित कुमार दहिया खेल निर्देशक हरियाणा सरकार, एसडी बैडमिंटन अकादमी के संचालक जितेंद्र दहिया द्वारा किया गया। समाजसेवी पदम सिंह दहिया, समाज सेवक उधम दहिया, राजीव मास्टर ,रविंद्र प्रधान ,नीरज दहिया, सुरेंद्र दहिया, राजेंद्र दहिया, बृजेश मास्टर, रामनिवास आर्य, सुकेश रानी पूर्व पंचायत समिति सदस्य, राकेश दहिया, सुमित कोच, देवेंद्र कोच ,सत्तू पहलवान, डॉक्टर सतबीर ,रमेश नंबरदार व ग्रामीणों ने प्रतियोगिता के आयोजन में हिस्सा लिया।

गोहाना। एक दूसरे को गुला लगाते विद्यार्थी, साथ में हैं शिक्षक। फोटो : हरिभूमि

शिष्यों ने गुरुजनों के साथ मनाई होली

गोहाना। खानपुर कलां मार्ग स्थित लिटिल एंजेल्स कून्वेंट स्कूल में शनिवार को होली का त्यौहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। समारोह में शिष्यों ने अपने गुरुजनों को गुलाल लगाकर होली मनाई और उनके आशीर्वाद ग्रहण किया। समारोह के लिए मार्गदर्शन स्कूल के एमडी ओमप्रकाश गोयल का रहा7 अध्यचक्षता प्राचार्या कंचन गोयल ने की। एमडी गोयल ने कहा कि होली हमारी प्राचीन संस्कृति का पवित्र त्यौहार है जो पूरे देश में धूमधाम से मनाया जाता है। यह त्यौहार आपसी भाईचारे और प्रेम का प्रतीक है। इस दिन लोग पुराने सभी मनमुटाव भूल कर नए रिश्तों के साथ जिंदगी शुरू करते हैं7 समारोह में अध्यापिकाएं खुशी, नैना, हेमलता, विमला, पिंकी और मोनिका भी मौजूद रहीं।

स्कूल में बच्चों ने खेली ईको फ्रेंडली होली

सोनीपत। ज्ञान गंगा मांटेसरी एवं मॉडल स्कूल, न्यू नंदवानी नगर में शनिवार को ईको फ्रेंडली होली धूमधाम से मनाई। सीनियर छात्र-छात्राओं के साथ-साथ प्राइमरी कक्षाओं के छोटे-छोटे बच्चों ने भी एक दूसरे को प्राकृतिक गुलाल व रंग लगाकर जमकर धमाल मचाया। इस अवसर पर स्कूल के चेयरमैन सुधीर जैन, सीईओ संजय जैन व प्राचार्या रिचा चावला ने सभी को होली पर्व की शुभकामनाएं दी। इस दौरान बच्चों को रसायन युक्त रंगों से दूर रहने की हिदायत देते हुए इसके दुष्प्रभाव भी बताए गए। इस दौरान कोऑर्डिनेटर नीरु, अध्यापिका ललिता, पूजा, युक्ति आदि मौजूद रहे।

बेबी शोः नन्ही प्रतिभाओं ने खूब लुभाया मन

गोहाना। शनिवार को होली पर्व के उपलक्ष्य में ग्लोबल पब्लिक स्कूल की जूनियर ब्रांच ग्लोबल किड्स कासल में बेबी शो का आयोजन किया गया। इस बेबी शो में प्राथमिक कक्षाओं के सब बच्चों ने भाग लिया। बेबी शो की मुख्य अतिथि गोहाना नगर परिषद की चेयरपर्सन रजनी विरमानी रहीं। अध्यक्षता ग्लोबल किड्स कासल की प्राचार्या नेहा जाले ने की। मार्गदर्शन ग्लोबल पब्लिक स्कूल के चेयरमैन पंकज जाले और प्राचार्या प्रीति शर्मा का रहा। बेबी शो में अभिभावकों को भी आमंत्रित किया गया। छोटे-छोटे बच्चों ने बेबी शो में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। बेबी शो में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को मुख्य अतिथि और नगर परिषद की चेयरपर्सन रजनी इंद्रजीत विरमानी ने सम्मानित भी किया।

गोहाना। बेबी शो में प्रस्तुति देते बाल कलाकार। फोटो : हरिभूमि

सोनीपत। कार्यक्रम के दौरान मौजूद विभिन्न इकाइयों के पदाधिकारी एवं सदस्यगण।

अग्रवाल समाज ने मनाया होली मिलन समारोह

सोनीपत। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन की तीनों इकाइयों ने पारिवारिक होली मिलन समारोह फूलो एव चंदन तिलक लगाकर अग्रवाल धर्मशाला में मनाया। इसी अवसर पर हरियाणा महिला आयोग की वाईस चेयरपर्सन सोनिया अग्रवाल का तीनों इकाइयों द्वारा स्वागत किया गया। वृंदावन से आये राधे कृष्ण की मनमोहक झांकियों ने सबका मनमोह लिया और खूब होली के भजनों पर सबने राधा कृष्ण संग डांस किया। इस मौके पर अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के चेयरमैन संजय सिंगला, प्रधान अनिल गुप्ता, महिला प्रधान बबीता जिंदल, युवा प्रधान अनुज मंगला, वैश्य महासम्मलेन के प्रधान प्रदीप बंसल, एडवोकेट अरविंद मित्तल, प्रवीण गोयल, प्रेमनारायण गुप्ता, जितेंद्र गुप्ता, सुशील गोयल, विनय सिंगल, प्रवीण गोयल, यशपाल गोयल, सुभाष जिंदल, महावीर बंसल, पवन जैन आदि मौजूद रहे।

सूचना

मैं, सुषमा दहिया पत्नी श्री जगदीश पुत्री श्री शीश पाल हाल निवासी नजदीक दहिया हास्पिटल राम भट वाली गली पुरानी डीसी रोड सोनीपत बयान करती हूं कि शादी से पहले मेरा सुषमा था जो अब सुषमा दहिया है। इसलिए सुषमा व सुषमा दहिया एक ही व्यक्ति के नाम हैं। भविष्य में मुझे सुषमा दहिया के नाम से जाना जाए।

भद्रा 24 मार्च को सुबह 9:54 पर लग जाएगी, जोकि रात 11:13 बजे तक रहेगी

दोपहर या फिर आधी रात को करें होलिका दहन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

ऐसे करें पूजन

होलिका दहन में अक्षत, गंध, गुड़, फूल, माला, रोली, गुलाल, कच्चा सूत, हल्दी, एक लोटे में जल, नारियल, बताशा, गेहूं की बालियां और मूंग आदि सामग्री होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि होलिका की अग्नि में नारियल के साथ पान और सुपारी चढ़ाने से घर की आर्थिक तंगी दूर होती है।

दोपहर में मिलेंगे 4 घंटे

होलिका दहन के दिन भद्रा 24 मार्च को सुबह 9:54 बजे लग जाएगी, यह रात 11:13 बजे तक रहेगी। हालांकि इस बीच दोपहर 2.30 बजे से शाम 6.30 बजे तक होलिका दहन कर सकते हैं, इसका कारण यह है कि इस समयावधि में भद्रा पाताल में रहेगी और भद्रा की पूंछ भी नहीं रहेगी। 24 मार्च को होलिका दहन का समय रात 11:13 बजे से देर रात्रि 12:27 बजे तक रहेगा। भद्रा होने के कारण इस साल प्रदोष काल में होलिका दहन नहीं हो पाएगा। ऐसे में भद्रा के खत्म होने का इंतजार करना होगा।

फाल्गुन पूर्णिमा की तिथि को होलिका दहन कर मनाया जाता है। प्राचीन काल से ही फाग से पहले होलिका दहन किया जाता है। होलिका दहन का समय भद्रा काल में नहीं होना चाहिये। इस बार फाल्गुन पूर्णिमा की तिथि यानि 24 मार्च में भद्रा काल काफी लंबा है। 24 मार्च को सुबह 9.54 बजे ही भद्रा काल लग जाएगा, जोकि देर रात 11 बजकर 13 मिनट तक जारी रहेगा। भद्रा काल के साथ ही पूर्णिमा भी शुरू हो जाएगी, लेकिन अगले दिन दोपहर तक रहेगी। ऐसे में होलिका दहन का उपयुक्त समय रविवार को 11 बजकर 13 मिनट के बाद माना गया है। इसके अलावा दोपहर के समय लगभग चार घंटे के लिये भद्रा पाताल रहेगी। इस समय में भी होलिका दहन की जा सकती है। ज्योतिषाचार्य पंडित मनमोहन मिश्रा का कहना है कि हर साल होली का त्योहार होलिका दहन के अगले दिन सुबह में मनाते हैं। हिंदू कैलेंडर के अनुसार फाल्गुन पूर्णिमा की तिथि में भद्रा रहित मुहूर्त में प्रदोष काल के समय होलिका दहन करते हैं। अगले दिन रंगों की होली खेली जाती है। कई बार होली का त्योहार फाल्गुन पूर्णिमा को होता है तो कई बार चैत्र कृष्ण प्रतिपदा तिथि को, यह फाल्गुन पूर्णिमा की अवधि पर तय करता है। इस साल फाल्गुन पूर्णिमा की तिथि के कारण होली की सही तारीख को लेकर लोगों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है।

उदयातिथि के आधार पर होता है तारीख का निर्धारण पंडित मनमोहन मिश्रा ने बताया कि कई बार त्योहार व व्रत की तारीख का निर्धारण उदया तिथि के आधार पर होता है। वहीं कई बार पूजा मुहूर्त को देखकर उसका निर्धारण किया जाता है। होली का त्योहार होलिका दहन के मुहूर्त को देखकर निर्धारित होता है। वैदिक पंचांग के अनुसार इस साल 24 मार्च को सुबह 9:54 बजे फाल्गुन पूर्णिमा तिथि शुरू हो जाएगी, जो 25 मार्च को दोपहर 12:29 बजे खत्म होगी।

सोनीपत। साउथ प्वाइंट इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट की कार्यकारी निदेशक डॉ. ममता सचदेवा व अन्य के साथ पदक व प्रमाण पत्र दिखाते विजेता विद्यार्थी।

लड़कियों में अंजली तो लड़कों में कुणाल दौड़े सबसे तेज

सोनीपत। साउथ प्वाइंट इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट में विद्यार्थियों को खेलों के साथ जोड़ने के लिए स्पोर्ट्स मीट-2024 का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता साउथ प्वाइंट ग्रुप के चेयरमैन दिलबाग सिंह खत्री व संस्थान की निदेशक डॉ. ममता सचदेवा ने की। स्पोर्ट्स मीट में विद्यार्थियों ने 100 मीटर दौड़, 200 मीटर दौड़, कैरम बोर्ड, शतरंज, वॉलीबॉल, लंबी कूद, टग ऑफ वॉर, आदि खेलों में बढ़-चढ़कर भाग लिया। लड़कियों की टग ऑफ वॉर में यशिका व नदिया की टीम विजेता बनी। वहीं लड़कों के वर्ग में नितिन, विशाल, विनय, दीपांशु, सुमित, नितिन, आदित्य, अमन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की। वॉलीबॉल में कपिल के नेतृत्व में टीम विजेता बनी। लड़कियों की 100 मीटर दौड़ में अंजली, लड़कों की 100 मीटर दौड़ में कुणाल, 200 मीटर दौड़ में प्रिंस प्रथम रहा। लड़कों की लंबी कूद में कपिल, वहीं लड़कियों में अंजलि, कैरम बोर्ड की स्पर्धा म शिवम और शतरंज में अमन प्रथम रहे। विजेता रहे प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। समापन के समय कॉलेज की विजेता टीम को एक ओवर ऑल ट्रॉफी प्रदान की गई।

सरपंच, ग्राम पंचायत, टेहा
खण्ड गन्नौर, जिला सोनीपत (हरियाणा)

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत टेहा को 12 वॉट की सोलर लाईट लगवाने हेतू निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रकाशन के 3 दिन के अन्दर ग्राम पंचायत को सीधे तौर पर प्रस्तुत करें तय समय पश्चात किसी निविदा पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

हस्ता/-सरपंच ग्राम पंचायत टेहा, खण्ड गन्नौर सोनीपत
मो. नंबर -9991929394

खबर संक्षेप

होली पर्व पर बच्चों को लगाया तिलक

गन्नौर। गायत्री विद्यापीठ वसंत विहार गन्नौर में अध्यापकों व विद्यार्थियों द्वारा होली के पावन पर्व को बड़े उत्साह व धूमधाम से मनाया गया। अध्यापकों ने बच्चों को रंग का तिलक लगाने के बाद चॉकलेट देकर इस पर्व का महत्व भी बताया। प्रधानाचार्या शकुंतला कौशिक ने बताया कि होली प्रेम व प्यार का पर्व है। हमें आपस में प्यार से रहना चाहिए।

अधिवक्ता जीतन दत्त शर्मा बने बार काउंसिल मेंबर

सोनीपत। सोनीपत जिला न्यायालय के अधिवक्ता जीतन दत्त शर्मा को पंजाब एवं हरियाणा बार काउंसिल के चेयरमैन अशोक सिंगला, रजत गौतम मेंबर ने को-ओपटिड मेंबर के रूप में मनोनित किया है। जिसे सोनीपत न्यायलय के वकीलों ने स्वागत योग्य कदम बताया है। जीतन दत्त ने बार काउंसिल के चेयरमैन का आभार व्यक्त किया तथा उनको विश्वास दिलाया कि वह पूर्ण निष्ठा से अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

कुश्ती नर्सरी के लिए ट्रायल 26 को

खरखौदा। हरियाणा खेल विभाग की कुश्ती नर्सरी के लिए ट्रायल 26 मार्च को प्रताप स्कूल खरखौदा में होगा। इस ट्रायल में 8 से 18 वर्ष के खिलाड़ी भाग ले सकेंगे। इच्छुक खिलाड़ी अपने साथ अपना आधारकार्ड, जन्म प्रमाण-पत्र व बैंक खाते की प्रति लेकर सुबह 9 बजे पहुंचे।

शहादत दिवस पर शहीदों को किया नमन

खरखौदा। शहीदी दिवस पर जागृति स्मारक स्थल खरखौदा पर हवन यज्ञ किया गया। अखिल भारतीय दहिया जागृति महासभा के प्रधान बीर पहलवान ने शहीदों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया। इस अवसर पर क्षेत्र के गण मान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। जिनमें ईश्वर गोपालपुर, दयानंद प्रधान, बल्ले पहलवान आदि रहे।

छापा मारने गई पुलिस टीम पर कस्सी से किया हमला

डॉक्टर चलाता था जुए का अड्डा, पत्नी देते थी पहरा

पुलिस पर हमले के बाद आरोपित तो फरार हो गए, लेकिन पुलिस ने मौके से 50250 रुपये बरामद किए

चिकित्सक खिलाता है जुआ, पत्नी, भाभी और मां करती हैं निगरानी

एएसआई अजमेर ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली की कॉमी रोड पर विजय उर्फ डॉक्टर कामी रोड पर शुगर मिल के पास अपने खेत में बने कोठड़े में जुआ खिलाता है। जबकि बाहर उनकी पत्नी, मां और भाभी निगरानी करती हैं। जो शक होने पर जुआ खेलने वालों को भगा देती हैं। शुक्रवार शाम को अंकित, अमित, अजय, शेरा निवासी दीपालपुर, बिंदरौली निवासी कप्तान व पांच छह अन्य वहां जुआ खेल रहे हैं। एएसआई अजमेर सिंह चालक ईएचसी सुधीर, ईएचसी विकास, सिपाही कृपाल, अजय व सचिन के साथ मौके पर पहुंचे। जहां पुलिस को देखकर दो तीन महिलाओं ने शोर मचा दिया तथा पास खड़े युवक अंकित ने एएसआई अजमेर व सिपाही सचिन पर कस्सी से हमला कर दिया तथा आरोपित नकदी लेकर मौके से फरार हो गए। भागते समय मौके पर 50150 रुपये छूट गए। जिसे पुलिस ने कब्जे में ले लिया। जुआरियों को पकड़ने गई।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सिविल लाइन थाना क्षेत्र के कामी रोड पर चिकित्सक पर उसके खेत में जुआ खेलाने सहित उसकी पत्नी, मां और भारी कवर देने का मामला सामने आया है। मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार देर शाम जब पुलिस टीम पकड़ने गई तो टीम पर कस्सी से हमला कर दिया। जिसमें एएसआई अजमेर, सिपाही सचिन सहित तीन घायल हो गए। जिन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी। पुलिस ने इस संबंध में विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार जुआरियों को पकड़ने कामी रोड चीनी मिल के पास खेतों में गई पुलिस टीम पर कस्सी से हमला करने का मामला सामने आया है। जिसमें एक एएसआई सहित तीन पुलिस कर्मी घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। हमले से पहले युवक के परिजनों ने छापा मारने पर अंजाम भुगतने की चेतावनी दी थी। हमले के बाद आरोपित नकदी के साथ मौके से फरार हो गए तथा पुलिस ने मौके पर बची 50250 रुपये की जुआ राशि को कब्जे में ले लिया। पुलिस टीम पर हमले के बाद पुलिस बल मौके पर पहुंचा तथा आरोपितों के खिलाफ हत्या प्रयास व सरकारी काम में बाधा डालने सहित विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जिन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी। पुलिस ने इस संबंध में विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है।

होगी कार्रवाई

आरोपितों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। जल्द से जल्द आरोपितों को काबू कर आगामी कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।
सतबीर सिंह, प्रभारी सिविल लाइन सोनीपत

पुलिस टीम पर कस्सी से हमला, एएसआई समेत तीन घायल

कामी रोड पर जुआरियों को पकड़ने गई पुलिस टीम पर कस्सी से हमला करने का मामला सामने आया है। इससे पहले हमलावरों के परिजनों ने छापा मारने पहुंचे टीम को छापा मारने पर अंजाम भुगतने की धमकी दी थी। हमले में एएसआई सहित तीन पुलिस कर्मी घायल हो गए। हमले के बाद आरोपित नकदी के साथ मौके से फरार हो गए तथा पुलिस ने मौके पर बची 50250 रुपये की जुआ राशि को कब्जे में ले लिया। पुलिस टीम पर हमले के बाद पुलिस बल मौके पर पहुंचा तथा आरोपितों के खिलाफ हत्या प्रयास व सरकारी काम में बाधा डालने सहित विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सूचना के बाद छापा मारने पहुंची थी टीम

कॉमी रोड पर खेतों में कुछ लोगों के जुआ खेलने की सूचना के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी। पुलिस टीम को देखकर वहां मौजूद परिजनों ने पुलिस टीम को छापा मारने पर अंजाम भुगतने की धमकी दी। जिसे अनदेखा कर पुलिस ने छापा मारा तो जुआ खेल रहे युवकों ने वहां रखी कस्सी से पुलिस टीम पर अचानक हमला कर दिया। हमलने के बाद आरोपित नकदी सहित मौके से फरार हो गए। जिसके बाद पुलिस मौके पर बची 50150 रुपये की नकदी को अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की तैयारी में जुटी हुई है।

पशुवाड़े पर अज्ञात जानवर ने किया हमला, 15 भेड़ों की मौत ,11 घायल

- गांव के सरपंच नरेन्द्र ने दिया मुआवजा दिलवाने का आश्वासन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

अहीर माजरा गांव में एक गरीब पर आफत टूट पड़ी। बीती रात किसी अज्ञात जानवर ने हमला कर 15 भेड़ों को मौत के घाट उतार दिया और 11 को घायल कर दिया। उन्होंने घटना की सूचना गांव के सरपंच को दी। जानकारी के अनुसार गांव का भूप सिंह भेड़ पालन का व्यवसाय करता है। उसने अपने भेड़बाड़े में 40 भेड़ रखी हुई थी। रोजाना की तरह वह अपने भेड़ों को भेड़वाड़े में छोड़कर सोया था। सुबह पता चला कि बीती रात किसी अज्ञात जानवर ने उसकी भेड़ों पर हमला कर दिया और 15 भेड़ को जान से मार दिया एवं 11 को पूरी तरह से जख्मी कर दिया। भूप सिंह ने बताया कि भेड़ों की मौत के बाद उसके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। वह भेड़ पालन के अलावा कोई कार्य नहीं करता वह भेड़ पालन का काम करके ही अपना गुजर बसर करता है। मौके पर पहुंचे गांव के सरपंच नरेन्द्र ने उन्हें आश्वासन दिया कि वह इस दुख की घड़ी में उनके साथ खड़े हैं। वे सरकार से मुआवजे की मांग कर दिलाने का प्रयास करेंगे। वहीं भूपसिंह व सरपंच ने प्रशासन से मांग की है कि ऐसे अज्ञात जंगली जानवरों का पता लगाया जाए अन्यथा वे अन्य पशुओं को भी नुकसान कर सकते है।

गन्नौर। मृत भेड़ों के साथ भेड़वाड़े में भेड़ पालक भूप सिंह। *फोटो : हरिभूमि*

बिधलान में शिविर में 48 ने किया रक्तदान

खरखौदा। जनहित अभियान फाउंडेशन व सेवा ट्रस्ट यूके इंडिया के तत्वावधान में गांव बिधलान में रक्तदान शिविर लगाया गया। बिजली विभाग यूनियन के प्रधान सुमित कटारिया व सचिव राजकुमार शर्मा ने बतौर मुख्य अतिथि शिविर का उद्घाटन किया। समाजसेवी संस्था सेवा ट्रस्ट यू.के इंडिया से सुरेश वत्स ने अपनी को-स्पॉन्सर डाबर इंडिया लिमिटेड की तरफ से सभी को इम्यूनिटी बूस्टर किट भेंट की। कार्यक्रम का आयोजन समाज सेवी भूमित दहिया ने किया गया। फाउंडेशन अध्यक्ष नरेंद्र हुड्डा ने बताया कि शिविर के दौरान 48 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। इस अवसर पर गांव के सरपंच सुभाष पहलवान, स्टेट अवॉर्डी हिंदी प्रवक्ता दिलबाग सिंह आदि रहे।

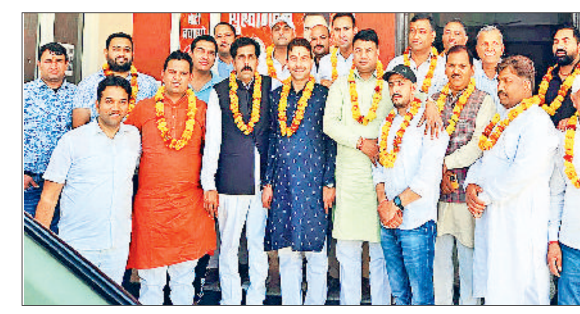

राई। जिलाध्यक्ष जसबीर व जिला उपाध्यक्ष पुनीत राई पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत

राई। भाजपा के जिला उपाध्यक्ष पुनीत राई के कार्यालय में शुक्रवार को जिला अध्यक्ष जसवीर दोदवा द्वारा जिला कार्यकारिणी की घोषणा के बाद स्वागत किया गया। जिला उपाध्यक्ष व निगम पार्षद पुनीत राई ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारी को नए दायित्व की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में विनोद बैरागी सुंदर जठेड़ी प्रदीप आंतिल, सुनील आर्य, मनोज दहिया नाहरा, डॉ. विनोद प्रवीण खत्री, मास्टर सतीश चौहान, निरंजन पार्षद, संजीत गुलिया, दीपक मुकीमपुर, दीपक खरब, विनोद चोपड़ा, राकेश त्यागी, राकेश कौशिक, अनिल त्यागी, अमित दहिया ,सुनील खरखौदा के अलावा पार्टी के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

सरकार ने किसानों के लिए किए वादे पूरे नहीं किए : रणदीप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

अखिल भारतीय किसान कांग्रेस के नेशनल ज्वाइंट को-ऑर्डिनेटर एवं मध्यप्रदेश सेल के प्रभारी रणदीप मलिक ने कहा कि केंद्र सरकार ने किसानों के लिए जो वादे किए वे पूरे नहीं किए गए। वे शनिवार को पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। रणदीप मलिक ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा से किसानों की आवाज उठाई है। इसी के तहत किसानों के हक के लिए कांग्रेस ने विशेष प्लान बनाया है। इसके तहत कांग्रेस के कार्यकर्ता राहुल गांधी के नेतृत्व में किसानों को पार्टी की नीतियों के बारे में बताएंगे और उनके प्रति जागरूक भी करेंगे। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार युवाओं को रोजगार देने में नाकाम रही है, जिससे बेरोजगारी चरम पर है। इसके अलावा अन्य वर्गों को भी कोई लाभ नहीं मिल रहा है। इस दौरान उन्होंने हरियाणा में मंत्रिमंडल के विस्तार में भी सोनीपत व रोहतक जिले के साथ भेदभाव करने का आरोप लगाया।

गोहाना। कार्यकर्ताओं के साथ पत्रकारों से बातचीत करते रणदीप मलिक।

खेल के साथ हमें पढ़ाई पर भी विशेष ध्यान देना चाहिए : देवेंद्र कादियान

- जिला स्तरीय सब जूनियर कबड्डी स्पर्धा : लड़कों में गुमड़ व लड़की वर्ग में भावड़ टीम बनी विजेता
- विजेताओं का पुरस्कार देकर किया सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में गांव गुमड़ में अम्योचर कबड्डी एसोसिएशन की ओर से शनिवार को एक दिवसीय सब जूनियर जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें जिलेभर से 12 लड़के व 6 लड़कियों की टीम ने हिस्सा लिया। खिलाड़ियों ने जीत हासिल करने को लेकर जमकर पसीना बहाया। प्रतियोगिता में बतौर मुख्यातिथि देवा सोशल वेलफेयर सोसायटी गन्नौर के संस्थापक एवं समाजसेवी देवेंद्र कादियान ने शिरकत की। उनका यहां पर फूलमाला व पगड़ी से स्वागत किया गया। कादियान ने खिलाड़ियों से रूबरू होकर खेल का शुभारंभ कराया। प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबल बेहद रोचक रहा। लड़कों में गुमड़ ने दीपक एकेडमी खेड़ी गुर्जर को 58-18 अंक और लड़की में भावड़ ने खानपुर की टीम को 35-27 अंकों से पराजित किया। मुख्यातिथि देवेंद्र कादियान ने विजेता टीम व खिलाड़ियों को सम्मानित कर उनका हौसला बढ़ाया। कादियान ने कहा कि खेल को खेल की भावना से खेलना चाहिए। जीत हो या हार कुछ ना कुछ नया सिखा कर जाती है। खेल-खेल के साथ हमें पढ़ाई पर भी विशेष ध्यान देना चाहिए। कादियान ने कहा कि शिक्षा का क्षेत्र हो या फिर खेल का मैदान। लड़कियां हर क्षेत्र में आगे निकल रही है, जोकि सराहनीय पहल है। हमें बेटियों का उत्सावर्धन करना चाहिए। इस अवसर पर पूर्व सरपंच रविंद्र पहल, अगवानपुर सरपंच मंजीत, मेहर सिंह मलिक, बलबीर पहल, कुलदीप कोच, अनिल पहलवान, सतीश पंघाल, सुरेंद्र दूहन, सुनील कोच, सुनील वकील, अजय ठेकेदार, रोहताश, हरपाल, नीरज, बॉबी, सुनील काला, साहब सिंह आदि मौजूद रहे।

गन्नौर मुख्यातिथि देवा सोशल वेलफेयर सोसायटी गन्नौर के संस्थापक एवं समाजसेवी देवेंद्र कादियान खिलाड़ियों का परिचय करते हुए।

गन्नौर। एमएसएमई इंडस्ट्रीज वेलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारी राई विधायक मोहनलाल बड़ौली को स्मृति चिहन भेंट करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

होली मिलन समारोह में जमकर उड़ा गुलाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

एमएसएमई इंडस्ट्रीज वेलफेयर एसोसिएशन बड़ी द्वारा जीटी रोड स्थित कनक गार्डन में होली स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में राई विधायक मोहनलाल बड़ौली ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। जबकि भाजपा जिलाध्यक्ष जसबीर दोदवा, डीएसपी योगेंद्र कुमार, भाजपा नेता आजाद सिंह नेहरा, भाजपा जिला महासचिव निशांत गोयल, कोषाध्यक्ष नवीन मंगला, जिला दमकल अधिकारी राजेंद्र सिंह दहिया बतौर विशिष्टातिथि मौजूद रहे। एसोसिएशन के प्रधान नवीन कौशिक व महासचिव हरप्रीत सिंह ने समारोह में पहुंचे अतिथियों व उद्योगपतियों का चंदन का टीका व पगड़ी पहना कर स्वागत किया। इसके बाद गुलाब के फूलों से होली खेली गई। कार्यक्रम के दौरान प्रसिद्ध लोक गायक मस्ताना एंड पार्टी ने गीतों के माध्यम से सभी को झूमने का मजबूर कर दिया। मोहनलाल बड़ौली ने सभी उद्योगपतियों को होली की बधाई देते हुए कहा कि होली के त्योहार पर आपस में प्रेम, मिलन एवं सौहार्द का आदान प्रदान होता है।

शहादत दिवस पर शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि

सोनीपत। शहीदी दिवस पर सेक्टर 15 कम्युनिटी सेंटर में शहरी ठेका सफाई कर्मचारी यूनियन संबंधित सीटू द्वारा शहीदी दिवस का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता किसान सभा के वरिष्ठ नेता एडवोकेट श्रद्धानंद सोलंकी ने की, जबकि संचालन सीटू के वरिष्ठ नेता आनंद शर्मा ने किया। सभी ट्रेड यूनियन के वक्ताओं ने अपने-अपने विचार रखें। इस मौके पर सर्व कर्मचारी संघ वरिष्ठ नेता सिल्क राम मलिक, कृष्ण वत्स, कृष्ण मलिक ,अजय कुमार टांक, मुकेश टॉक, दीपक, नवीन, सुनील दत्त, राममेहर शर्मा, मा जोगीन्द्र, राजेश, सोना देवी, छवि, रणबीर मलिक, सुनीता, सुमित्रा, सावन, विकास, राजेश, सोना देवी, पूनम, सुमन आदि ने भी सभा को संबोधित किया।

एसयूसीआईसी ने मनाया शहीदी दिवस

एसयूसीआईसी जिला कार्यालय में शहीदी दिवस मनाया गया। जिसमें राज्य सचिव हरि प्रकाश ने राज्य कमेटी हरियाणा की ओर से भाग लिया तथा भगत सिंह के क्रांतिकारी विचारों व उनके जीवन चरित्र से जुड़ी शिक्षाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि भगत सिंह इस पूंजीवादी शोषण मूलक व्यवस्था के विरोधी थे और कहा करते थे कि अंग्रेज तो भारत से चला जाएगा किंतु जनता का शोषण फिर भी जारी रहेगा। इसलिए जनता को इस शोषण मूलक व्यवस्था को उखाड़ कर समाजवादी व्यवस्था लागू करनी होगी। इस दौरान कामरेड भारत ने भी अपने विचार रखे।

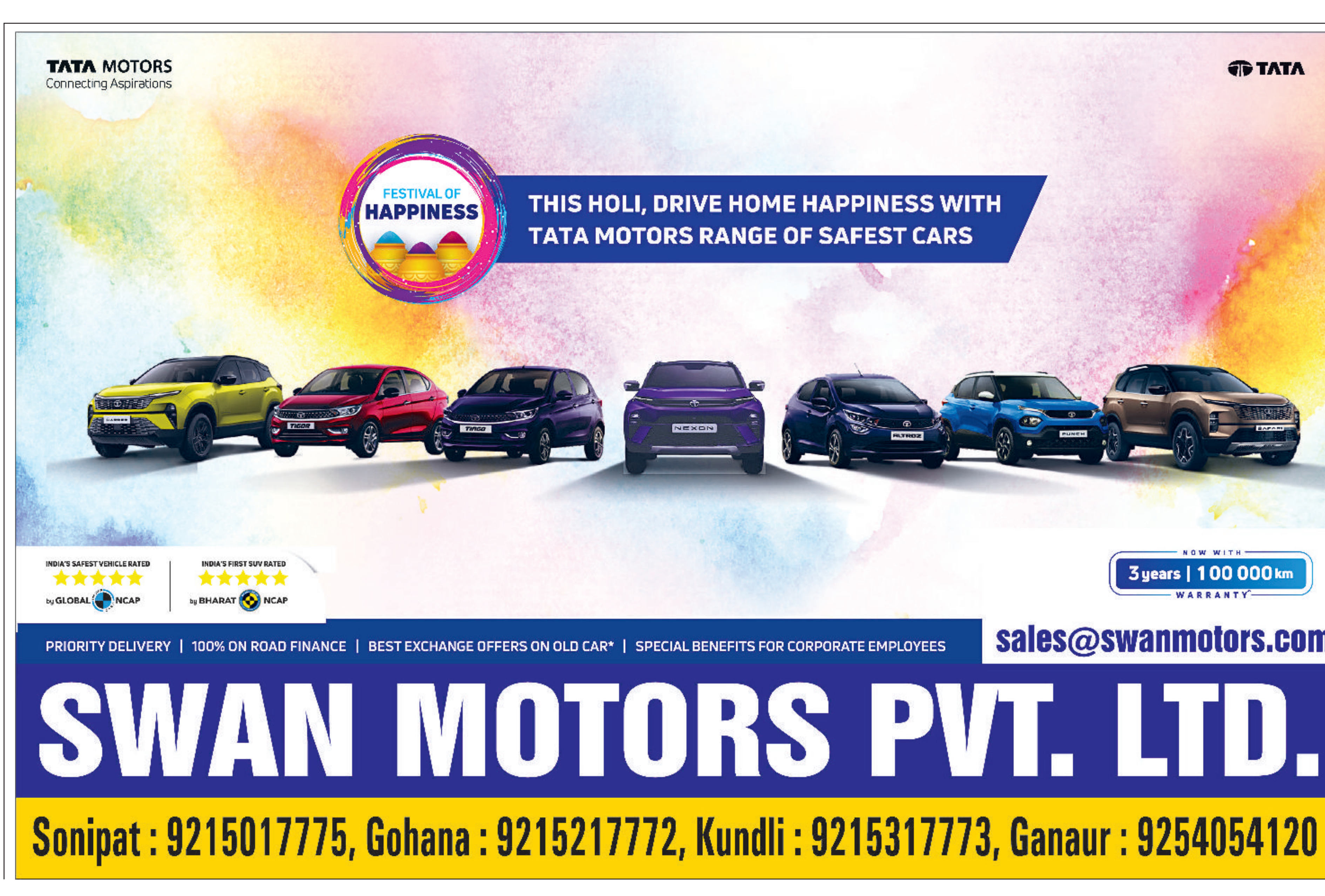

तन रंग लें-मन रंग लें
जीवन सतरंगी कर लें

जीवन में अगर रंग न हों तो सब कितना बेरंग-नीरस लगेगा। जीवन में रंगों की महत्ता को रेखांकित करने के लिए ही हमारे देश-समाज में पौराणिक काल से ही रंग पर्व मनाने की परंपरा चली आ रही है। यह पर्व हमें प्रेम, स्नेह और अपनेपन के रंग में रंग देता है। जीवन को सतरंगी बनाता है।

पर्व-निहितार्थ / डॉ. मोनिका शर्मा

रंग सदा जीवन के संग चलते हैं। अवसरों के अनुसार विशेष छटा के साथ बिखरते हैं। कभी रंगों की चटक, उसकी आभा मन में उत्साह भरती है तो कभी फीकापन सुकून देता है। मन-जीवन की हर निखार-संवार में रंग अपनी उपस्थिति रखते हैं। उम्र के हर पड़ाव पर अपनी आभा संग ये रंग अलग-अलग अनुभूतियों से मिलवाते हैं। रिश्तों के हर मोड़ पर विशेष ढंग से मन को प्रभावित करते हैं। होली, रंगों की यही छटा हर ओर बिखरने का पर्व है। इस सतरंगी उत्सव पर जीवन से जुड़े रंग और रंगों में रचा-बसा जीवन का ताना-बाना स्मरण हो आता है। कुछ बीते हुए पल और थोड़ी-सी आज की हलचल, सतरंगी आभा से जीवन को सजा देती है।

बरकरार है नेह का भाव-चाव

हर औपचारिकता से परे यह पर्व लोगों को साथ और स्नेह की डोर से बांधता है। उड़ते गुलाल और फगुनाहट की धुन में बदला हाल-चाल भारतीय जनमानस को एक-दूजे से जोड़ता रहा है। नेह के भाव-चाव का यह उत्सव रिश्तों पर रीझने का प्यारा अवसर होता है। लोकगीतों में ध्वनित होते जमीनी जुड़ाव की धुन सुनने-सुनाने का मौका बन जाता है। भारत की पावन धरा पर तो ईश्वरीय अवतारों ने भी उत्सव की इस रंगीन छटा को आम मनुष्यों के समान ही जीया है। पौराणिक कथाएं, हमारे आराध्य भगवान कृष्ण, शिव और भगवान राम सभी के होली खेलने का वर्णन लिए हैं। ब्रजभूमि पर राधा-कृष्ण और गोपियों की ठिठोली के संग होली खेलने और काशी के मणिकर्णिका घाट पर शिवजी के श्मशान में होली खेलने की बात भी शामिल है। वहीं अवध में प्रभु राम और सीता माता के होली खेलने का भी उल्लेख है। सोचिए कि वृंदावन में गोपियों ने अपनी झोली से कृष्ण पर अबीर उड़ेल कर हंसते-खिलखिलाते हुए कितने नेह संग कहा होगा, *'लला फिर आइयो खेलन होरी।'*
या राग-रंग में घुला यह भाव देखिए
ए केकरे हाथ कनक पिचकारी ए केकरे हाथे अबीरा/
अवध में होली खेले रघुबीरा।

नेह के इसी भाव-चाव को तब से अब तक भारत का जनमानस हर वर्ष जीवंत भाव संग जीता है।

साझी संस्कृति का उत्सव

होली का पर्व, हर उम्र के लोगों के लिए उत्सवीय धुन की आहट की तरह होता है। खान-पान से लेकर मस्ती और मेल-जोल तक। बच्चे-बड़े, महिला, पुरुष सब इस साझे सुख को जीते हैं। ठंडाई, गुझिया, खीर, पूड़ी, कचौड़ी और दही-बड़े का स्वाद अपनी रसोई की ओर ले जाता है तो गुलाल उड़ाने की मस्ती आंगन में खींच लाती है। रिश्तों पर रीझने और अंजान लोगों को भी रंग डालने की रीत का मानवीय मेल इसे साझी संस्कृति का पर्व बनाता है। झांझ-मंजीरे और ढोलक की थाप के साथ गूंजते स्थानीय गीतों से इस पर्व पर लोक का स्वर मुखर होता है। हंसाने-हंसाने नाचने-गाने की एक अनगढ़ थिरकन मन मोहती है। होली पर ब्रजभूमि की गोपियां भी याद आती हैं और राधा-कृष्ण भी। होली पर अबीर उड़ाते रघुवीर भी स्मरण हो आते हैं। गहरे रंगों से रंगे-पुते चेहरों का आपसी मेल-जोल मानवीय संवेदनाओं को उजला बनाता है। आदिम उल्लास का यह पर्व असल में आत्मीय जुड़ाव की अनौपचारिक खनक साथ लाता है। गांव की चौपाल से जुड़ी स्मृतियां आज महानगरों में बसी बड़ी हुई पीढ़ी के मन में दस्तक देने लगती हैं।

परंपरा की अनौपचारिक खनक

देश के हर हिस्से में फाग की मस्ती और हंसी-ठिठोली विशेष रंग लिए होती है। यह धमक मन की थिरकन है। कहीं कृष्ण भक्ति के रस में डूबे लोग तो कहीं अपने आराध्य के चरणों में गुलाल लगाने की परंपरा। कहीं कानों से टकराती चंग की थाप की मादकता तो कहीं टपकता महुआ। एक तरफ खेतों में पकती गेहूं की बालियां तो दूसरी तरफ बौर से लदकर झुक आए आमों के पेड़। पूरी प्रकृति इस उत्सवीय छटा को जीती नजर आती है। वहीं होली के इस पर्व पर इंसानों के भाव-चाव भी बहुत मुखर होते हैं। कहीं कोई औपचारिकता नहीं। दिखता है तो बस अपनेपन से भरा राग-रंग और सामुदायिक जुड़ाव की धुन। तभी तो होली आध्यात्मिक-सामाजिक भावों से जुड़ी खुशियों को जीते हुए उदारता और सहिष्णुता सिखाने वाला उत्सव है। हर उम्र, हर समुदाय के लोगों को ऊर्जावान और जीवंत बने रहने का संदेश देता है। इसीलिए तो जीवन को सरस-सुंदर बनाने वाला यह रंगपर्व, भारतीय संस्कृति की सबसे प्यारी उत्सवीय परंपराओं में से एक है।

तो आइए इस रंगोत्सव पर एक बार फिर हम सब प्रेम और अपनेपन के रंगों से एक-दूसरे को सराबोर कर लें, जीवन को इंद्रधनुषी रंगों से सजा लें। *

होली के दोहे / डॉ. शरद नारायण खरे

रंगों के संग खेलती, एक नवल-सी आस।
मन में पलने लग गया, फिर नेहिल विश्वास।।
कुंजन, क्यारिन रौनकें, अवसादों का अंत।
अनुरागी की बात क्या, तोड़ रहे तप संत।।
बौराया-सा लग रहा, देखो तो मधुमास।
प्रीति-प्रणय के भाव का, है हर दिल में वास।।
भली लगे शीतल हवा, मौसम के प्रतिमान।
अधरों पर पलने लगा, ढाई आखर गान।।
करते मंगलकामना, आकर रंग-अबीर।
वे भी चंचल हो गए, जो थे नित गंभीर।।
सुदृढ़ नहीं रह पाए नहीं, अनुशासन के बंध।
अभिसारों ने है रची, चोखी-नई सुगंध।।
फागुन की अठखेलियां, नयनों की है मार।
बदला-बदला लग रहा, देखो यह संसार।।
कदम-कदम से मिल रहे, हाथ गह रहे हाथ।
पर्वों को तो मिल रहा, धर्म,नीति का साथ।।

उल्लासोत्सव
कुमार राधारमण

होली के पर्व में कुछ ऐसी विशिष्टताएं हैं, जो इसे सबसे विलक्षण बनाती हैं। पूरे देश में अलग-अलग रूपों में मनाया जाने वाला यह पर्व हम सभी के जीवन में बहुत मायने रखता है।

उत्तराखंड के कुमाऊं में होली

रंग-उमंग-तरंग समेटे विलक्षण पर्व होली

जीवन के हजार रंग हैं। हमारे पर्व-त्योहार इन्हीं रंगीनियों को बनाए रखने के लिए हैं। तमाम रंगों में एक रंग ऐसा है, जिसमें सामुहिकता का बोध निहित है, और वह रंग है होली का। जीवन में जो भी उत्सव और उल्लास है, केवल वर्तमान के क्षण में ही है। हमारे सारे पर्व-त्योहार हमें वर्तमान में जीने का ही प्रयास हैं। यह हमारा सौभाग्य है कि हम एक उत्सवधर्मी देश का हिस्सा हैं। मेल-जोल और सामाजिकता हमारे पारस्परिक संबंधों की नींव रही है। मेल-जोल की जैसी परंपरा होली में दिखती है, वैसी अन्यत्र नहीं।

पूरे देश में दिखता है छटा: फाल्गुन

आनंदपुर साहिब में होला मोहल्ला

पूर्णिमा का त्योहार होली, थोड़ी-बहुत भिन्नता के साथ देश भर में मनाई जाती है। ब्रज की लट्ठमार, फूल और गुलाल की होली के सप्ताह भर के आयोजन से हममें से अधिकतर परिचित हैं। उत्तराखंड के कुमाऊं की होली के कई दिन पहले से गीत बैठकी में शास्त्रीय संगीत की मंडली जमने लगती है। महाराष्ट्र में शिमगा की रात को हर मोहल्ले में लकड़ी जलाई जाती है और दिन में लोग पूरन पोली बनाते हैं, सूखे गुलाल की होली खेलते हैं। कर्नाटक में सिरसी में, होली से पांच दिन पहले बेदरा वेशा लोकनृत्य होता है। तेलंगाना में होली 10 दिन पहले शुरू हो जाती है। पंजाब के आनंदपुर साहिब में होला मोहल्ला में सिख धर्मावलंबी शक्ति प्रदर्शन करते हैं और रंग की जगह कलाबाजी, कुश्ती, मार्शल आर्ट आदि का प्रदर्शन करते हैं। मध्य प्रदेश में खासकर भोपाल-इंदौर में, होली के बजाय होली के अगले दिन की रंगपंचमी खास होती है। राजस्थान में उदयपुर की संगीतमय होली को देखने विदेशी पर्यटक भी आते हैं। इसी प्रकार, पश्चिम बंगाल के शांति निकेतन की पारंपरिक अबीर होली की अलग खूबसूरती है। पश्चिम बंगाल, ओडिशा और असम की होली दोल जात्रा कहलाती है, जिसमें राधा-कृष्ण की प्रतिमा को मोहल्ले में घुमाया जाता है। गुजरात में होली पर छाछ से भरे मटके को तोड़ने के लिए मानव पिरामिड बनाया जाता है।

कृषि से भी है संबंधित: यों तो होली कृषि का भी त्योहार है, क्योंकि फागुन नई फसल के पकने का समय होता है। इसलिए, होलिका दहन में अग्निदेव को जौ-गेहूं अर्पित किया जाता है और नई फसल की बालियों को पकाकर प्रसाद स्वरूप ग्रहण किया जाता है।

बदल गया पर्व का स्वरूप: समय के साथ-साथ होली का स्वरूप बदलता गया और लोग इससे बचने लगे हैं। विकृत स्वरूप के कारण रंगों का चलन कम हो गया है और केवल थोड़े-बहुत अबीर का चलन रह गया है। एकाकी होती जीवनशैली के इस दौर में होली सामूहिकता का आमंत्रण है। होली हंसी के फव्वारों का महोत्सव है। होली पर अपने मन के उल्लास को खुलकर व्यक्त करना अच्छा है, बशर्ते उसमें अश्लीलता और फूहड़पन न हो। हमारी होली सभी के लिए सुरक्षित हो। हमारी होली में भी वही गुलाल हो, जो जीवन को प्रेमिल बनाए। इतना ऊर्जावान, व्यक्ति किसी भी पर्व में नहीं होता, जितना होली में होता है। तभी, ओशो कहते हैं, 'होली जैसा नृत्य करता उत्सव पृथ्वी पर और कहीं नहीं है।' *

बंगाल की पारंपरिक अबीर होली

आत्मप्रेरणा
राजयोगी बीके निकुंज जी

होली पर हम सभी होलिका दहन करते हैं, अगले दिन उमंग-उल्लास के साथ रंग खेलते हैं। लेकिन इसकी सार्थकता तभी है, जब हम सब इस पर्व के भावार्थ को आत्मसात करें।

होली का भावार्थ करें आत्मसात

भारतवर्ष में जितने भी त्योहार-पर्व मनाए जाते हैं, उन सभी में से होली का रंगोत्सव-मंगलोत्सव विशिष्ट और विलक्षण है। रस, रंग से सराबोर यह पर्व आंतरिक उल्लास को उभारने वाला एक सांस्कृतिक पर्व भी है।

सभी मनाते हैं प्रेम से: इस त्योहार की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसे देश के हर वर्ग, जाति, धर्म एवं संप्रदाय के लोग बिना किसी भेदभाव के बड़े ही उत्साह और आनंद के साथ मनाते हैं। रंगों का यह पर्व प्रकृति से मानव को एकाकार कर तादात्म्य स्थापित कर देता है एवं जीवन को उल्लास के साथ जीने की रीति-नीति के लिए प्रेरित भी करता है।

आत्मशुद्धि का अवसर: हिंदू संस्कृति में अनावश्यक और हानिकारक वस्तुओं को हटा देने और मिटा देने को बहुत ही महत्वपूर्ण बताया गया है और इसी दृष्टिकोण को क्रियात्मक रूप देने के लिए होली का त्योहार बनाया गया है। अतः होली के त्योहार का छिपा हुआ संदेश यही है कि हम अपनी भीतरी और बाहरी गंदगी को ढूंढ़-ढूंढ़ कर साफ करें और चतुर्मुखी पवित्रता की स्थापना करें। मानसिक, सामाजिक, राजनैतिक विकृत विकारों के कंटक जो हमारे रास्ते में बिछे हुए हैं, उन्हें सब मिल-जुल कर खोजें और उनको आग में भस्म कर उत्सव मनाएं।

पौराणिक संदर्भ: पौराणिक दृष्टि से यह त्योहार कब आरंभ हुआ, इसके बारे में विभिन्न मत-मतांतर हैं। इस पर्व से अनेक कहानियां भी जुड़ी हुई हैं, जिनमें से सबसे प्रसिद्ध कहानी है भक्त प्रह्लाद की। इसके अनुसार हिरण्यकश्यप की बहन अर्थात प्रह्लाद की बुआ, प्रह्लाद को लेकर अग्नि में बैठी थी, प्रतिवर्ष 'होलिका' नाम से आज तक जलाई जाती है। भविष्य पुराण के अनुसार ढुंढला नामक राक्षसी के द्वारा शिव-पार्वती से यह वरदान तपश्चर्या द्वारा प्राप्त किया गया था कि वह सुर-असुर नर-नाग किसी से न मारी जा सके और जिस बालक को खाना चाहे खा सके। कथा के अनुसार, वरदान देते समय भगवान महादेव ने यह शर्त लगा दी कि वर्ष में केवल होली के एक दिन यह वरदान फलीभूत नहीं होगा और उस दिन जो भी बालक वीभत्स आचरण करते, निर्लज्जतापूर्वक फिरते पाए जाएंगे, उन्हें वह नहीं खा सकेगी। कहा जाता है कि उस राक्षसी से बचने के लिए तरह-तरह के वीभत्स स्वांग रचने की परंपरा इस त्योहार से ही बनी। एक और मान्यता के अनुसार इसी दिन के लिए महर्षि वशिष्ठ जी ने सब मनुष्यों के लिए अभयदान मांगा था, ताकि वे निःशंक होकर इस दिन हंस-खेल सकें। इसी प्रकार भविष्य पुराण में नारद जी ने राजा युधिष्ठिर को होली के संबंध में एक कथा सुनाई, वह इस प्रकार है, नारद जी बोले, 'हे नराधिप! फाल्गुन की पूर्णिमा को सब मनुष्यों के लिए अभय दान देना चाहिए, जिससे समस्त प्रजा भय-रहित होकर हंसे और क्रीड़ा करे। डंडा और लाठी लेकर बालक शूरवीरों की तरह गांव के बाहर जाकर होली के लिए लकड़ी और कंडों का संचय करें। उस होलिका-दहन, हास-परिहास और मंत्र उच्चारण से पापात्मा राक्षसी नष्ट हो जाती है।'

प्रतीकों का समझें भावार्थ: विभिन्न पौराणिक कथाओं से बुद्धिमान लोग समझ सकते हैं कि इसका शब्दार्थ लेना युक्ति-संगत नहीं है बल्कि भावार्थ अथवा लक्षणार्थ लेना ही विवेक-सम्मत है क्योंकि केवल लकड़ी और कंडों के दहन से तो सभी अनिष्टों का नाश हो नहीं सकता, न ही कभी ऐसा हुआ है। वास्तव में तो लकड़ी और कंडे, मनुष्य के स्वभाव और उसके कर्मों में जो दुख देने वाली आदतें हैं, जो कटुता, शुष्कता, क्रूरता तथा विकार रूपी झाड़-झंखाड़ हैं, उनके प्रतीक हैं और अग्नि 'योगाग्नि' का प्रतीक है। अतः बुरे संस्कारों, नास्तिकता तथा अभिमान रूप होलिका इत्यादि को परमात्मा रूप दिव्य अग्नि की पाप-दह शक्ति में होम कर देना या योगाग्नि में भस्म कर देना ही 'होलिका-दहन' है। इससे मनुष्य के मन में हर्ष और आह्लाद होना स्वाभाविक है, इसलिए यह हास-परिहास का त्योहार माना गया है। 'अभय दान' देने का अर्थ भी यही है कि हम हिंसा, क्रोध, द्वेष इत्यादि से वशीभूत होकर व्यवहार न करें, जिससे कि हमसे किसी को भय हो। सोचने की बात है कि लकड़ी और कंडों को जलाने से तो 'पापात्मा राक्षसी' का नाश नहीं होगा न? क्योंकि 'पापात्मा राक्षसी' तो हमारे मन में बैठी हुई आसुरी वृत्तियों तथा पापजनक कर्मों की ही सूचिका है। अतः हम ज्ञान-रंग से एक-दूसरे को रंग कर, मन के कुभावों तथा कुसंस्कारों का कचरा दग्ध कर दें- यही होली और होलिकोत्सव का वास्तविक रहस्य है, प्रेरणा है। *

हास्य गजल / सूर्य कुमार पांडेय

क्या करें

उम्र ने यह की है साजिश, क्या करें?
हो गए हैं गाल किशमिश, क्या करें?
ऐसे किशमिश होने का क्या फायदा,
जब उन्हें हम कर रहे 'मिस', क्या करें?
अकड़ बॉडी में है, जाती ही नहीं,
कह रही वह, करिए वर्जिश, क्या करें?
मेन ऑफिस के ही नखरे इतने हैं,
खोल कर इक ब्रांच ऑफिस, क्या करें?
एक से ब्रेकअप, फिर दूजे से तलाक,
जानूं, तू भी निकली सेल्फिश, क्या करें?
अपने घर का है अलग ही संविधान,
कर रहे हम उनकी मालिश, क्या करें?

हास्य व्यंग्य / शरद उपाध्याय

फेसबुकिया नायिका के फाग

प्रिये, अब मन बिल्कुल बदल गया है। होली की नायिकाएं अब फीकी पड़ गई हैं। बस बार-बार फेसबुक पर चिपका हुआ तुम्हारा गुलाबी चेहरा याद आ रहा है। होली आ चुकी है। चारों ओर रंग ही रंग बिखरा पड़ा है। कल्पनाएं हिलोरे ले रही हैं। फेसबुक पर तुम्हारे टीपकर लिखे फाग पर 'लाइक' के साथ 'कमेंट' भी कर चुका हूं। तुम 'ऑफलाइन' हो, पर बार-बार दूसरों की वॉल पर 'कमेंट' की पिचकारियां फेंकती फिर रही हो, यह ठीक नहीं है। यह हमारे शाश्वत प्रेम के खिलाफ है। इससे न जाने कितने रंग भरे गुब्बारे मेरे सीने पर फूटने लगे हैं। तुम्हारे लिए ही एक पुराना 'रंगीन' फोटू, जिसमें बीवी भी नहीं पहचान पाती, फेसबुक पर चिपका रखा है। इसी के सहारे साल भर से हम रसिया गा रहे हैं। तुम्हारा जैसे ही सुंदर मुखड़ा देखते हैं, झट से लाइक कर देते हैं, और बिना पढ़े ही अच्छा सा कमेंट कर डालते हैं। अब इतने सुंदर चेहरे को देखकर भला कहां कुछ पढ़ने-लिखने का मन करता है। अब तुम भी जरा सोचो, इतने दिनों से 'ऑफलाइन' हो। अब होली के अवसर पर थोड़ा-सा डिस्काउंट तो दे दो, चंद पलों के लिए तो 'ऑनलाइन' हो जाओ। देखो, मैंने तुम्हारे लिए कितना त्याग किया है। लाख 'डिसलाइक' की स्थिति होने पर भी सैंकड़ों-हजारों बार 'लाइक' किया। यही सोचकर कि अब कुछ तो तुम्हारी तरफ से अबीर उड़ेगा। कभी तो तुम मेरे साथ फाग गाओगी। अभी-अभी तुमने होली पर जो प्रेम का रसिया वॉल पर डाला है, दसवीं कक्षा की किताब से नकल करने के बाद भी अच्छा है। हालांकि उसमें मात्राओं की कई गलतियां हैं, पर कोई बात नहीं। ये सारी बातें रंगीन भावनाओं के कारण क्षम्य हैं। पर एक बात सच-सच बताओ। ये जो तुमने 'स्टेटस', 'सिंगल' डाल रखा है, वो सच तो है ना! नहीं तो मैं बेकार ही काल्पनिक फाग गाकर होली न निकाल दूं। अब चारों ओर होली का गुलाल उड़ रहा है। मेरा मन भी कर रहा है कि तुम्हारे गोरे गालों पर थोड़ा सा अबीर मल दूं। पर एक बात का डर लगता है, तुमने फेसबुक पर जो सुंदर फोटो डाल रखा है, वो तुम्हारा ही तो है ना? तुम्हारे इस सुंदर फोटो पर विश्वास करके ही होली की धूम को छोड़कर नेट पर बैठा हूं। गूगल प्लस पर तुमने फोटो की जगह 'फूल' डाल रखा है। कहीं तुम मुझे 'फूल' तो नहीं बना रहीं? एक्स पर भी तुम न जाने किनको 'फॉलो' करती नजर आती हो। अब ये बातें सोचता हूं तो दिल बैठ जाता है।

एक बार तुमने कमेंट लिखने में 'जेंडर-मिस्टेक' कर दी तब ऐसा लगा था कि कहीं तुम्हारी आईडी 'फेक' तो नहीं है। भगवान से यही प्रार्थना करता हूं कि ऐसा नहीं हो। मेरा विश्वास है कि ऐसा नहीं होगा। इसीलिए तो बाहर उड़ती हुई गुलाल को छोड़कर मन की पिचकारी लिए 'ऑनलाइन' बैठा तुम्हारा इंतजार कर रहा हूं। ये 'ऑफलाइन' की लंबी अंधेरी रात कब खत्म होगी। बस आ भी जाओ। किसी बात का बुरा मत मानना। इस सूने जीवन में होली का रंग तो बिखेर दो। मैं कब से नेट खोलकर बैठा हूं। बस एक बार.... तुम्हें होली की कसम! *

कुंडलियां
श्याम सुंदर श्रीवास्तव 'कोमल'

अंग-अंग में रंग

होली में मुस्काए के, करके तिरछे नैन।
बातों का रस घोल के, गोरी लूटै चैन।
गोरी लूटै चैन, नैन अपने मटकाती।
संकेतों के तीर, चला कर है मुस्काती।
कह 'कोमल' कविराय, नैन से मारे गोली।
अंग-अंग में रंग, रंगीली आई होली।।
होली आई झूम के, मन में उठी तरंग।
अंग-अंग थिरकन लगे, बजते ढोल मृदंग।
बजते ढोल मृदंग, रंग की मस्ती छाई।
एक नया उल्लास, हास ले होली आई।
कह 'कोमल' कविराय, नैन तिरछे कर बोली।
चूक रहे क्यों आज, संग में खेलो होली।।

लघुकथा / अशोक वाधवाणी

होली है ..!

आत्माराम मित्रों के साथ होली खेलने के लिए सुबह-सुबह सफेद कुर्ता-पायजामा पहनकर घर से निकले। चौराहे पर देखा, ढेर सारे बच्चे पिचकारी से एक-दूसरे को रंग रहे हैं। उन्हें वहां से गुजरते देखकर बच्चे ठिठक गए। इन बच्चों में एक बच्चा जो उम्र में कुछ बड़ा था, बाकी बच्चों से बोला, 'अंकल को जाने दो। गलती से उन्हें रंग लग गया तो हमारी खैर नहीं।'

आत्माराम ने जिज्ञासावश एक बच्चे से इसका कारण पूछा तो उसने बताया, 'थोड़ी देर पहले हमने एक बुजुर्ग पर पिचकारी से रंग डाल दिया था, वे आगबबूला हो गए। हमको मारने के लिए पत्थर तक उठा लिया। हम सब डर कर भाग गए।'

यह सुनकर आत्माराम बच्चों से बोले, 'मैं तो अपने दोस्तों के साथ रंग खेलने जा रहा था। अब शुरुआत तुम बच्चों से ही करूंगा।'

आत्माराम की बात सुनकर सारे बच्चे खुशी से नाच उठे। बच्चों ने 'होली है..!' कहकर उन्हें सर से पांव तक रंग दिया। आत्माराम भी बच्चा बनकर बच्चों की खुशी में शामिल होकर नाचने-गाने लगे। रास्ते से गुजरने वाले लोग बच्चों के साथ एक बुजुर्ग की इस तरह मस्ती देखकर रुक कर देखने लगे। वे सभी अचंभित भाव से मंद-मंद मुस्करा रहे थे। *

फागुन के दिन चार रे रसिया

होली के स्वरूप में भले ही अब काफी कुछ बदल चुका है। लेकिन इस पर्व का मूल स्वरूप लोकसंस्कृति, पुराण, प्रकृति परिवर्तन और जीवन की सकारात्मकता से जुड़ा है। रंगोत्सव, हमें न केवल अपने परिवार, आस-पड़ोस और समाज से जोड़ता है, साथ ही अपने गौरवमयी सांस्कृतिक धरोहर और लोकरंग से भी संबद्ध करता है।

लोकपर्व

सुधा रानी तैलंग

जीवन को इंद्रधनुषी रंगों से भरने, रंगों का त्योहार होली एक बार फिर से हम सबके लिए रंगों की फुहार और प्रीत राग की बौछार लेकर आया है। रंग पर्व के स्वागत में अमलतास और पलाश के पेड़, पुष्प गुच्छों से आच्छादित हो गए हैं। आम के पेड़ों पर बौर आ गए हैं। हर ओर प्रकृति वसंत के उत्सव में मगन नजर आ रही है।

सुनाई देते हैं फाग के मोहक सुर

वसंत ऋतु के आते ही समूचा परिवेश रंगमय हो जाता है। माघ शुक्ल पंचमी से ही ग्रामीण अंचलो में फाग गाना शुरू हो जाता है। वैसे होली के त्योहार का विधिवत आरंभ वसंत पंचमी से हो जाता है। तभी से लेकर होली तक हर उत्सवप्रेमी मन मौज-मस्ती, रंग, अबीर, ढोल-मजीरे की थाप के संग पुलकित,चंचल हो उठता है। मन गुनगुनाने लगता है, *अब दिन आए वसंती नीरे।*

हास-परिहास संग संगीत का उत्सव

होली हास-परिहास, मौज-मस्ती, व्यंग्य-विनोद का उत्सब है। अबीर- गुलाल के रंगों की इंद्रधनुषी फुहार, टेसू के केसरिया रंग, भांग, ठंडाई और गुझियों की मिठास के संग होली के हुरियारों और मसखरों की टोली, घर-घर से लकड़ियां और चंदा मांगते बच्चे, ढोल, डफली, झांझर और मांदल के उमगते सुरों में फाग के फड़, फगुआ, होरी गारी गीत और लोक गीतों की सुर संगीत लहरियों के संग, चहुंओर उल्लास और खुशियों के रंग भर देती है। खासकर ग्रामीण अंचल में फागें समूचे परिवेश को रंगमय-संगीतमय कर देती हैं-

फागुन आयो फागुन आयो रे,
रंग दे रसिया,
होली खेलूं रसिया, फागुन आयो।

तन-मन हो उठता है पुलकित

फागुन की दस्तक ही तन-मन को पुलकित कर देती है। होली में रंग-गुलाल की मस्ती छा जाती है। होली के दिन, लोग एक-दूजे को गले लगाते गुलाल का तिलक लगाकर शुभकामनाएं देते हैं और सामाजिक समरसता, सद्भाव के रंग बिखेरते हुए मजीरों की थाप पर जमकर थिरकते हैं। होली में युवाओं के संग बच्चों और बड़ों का हुजूम गलियों, चौराहों और सड़कों में मस्ती, उल्लास और उत्साह के संग चारों ओर सतरंगी रंगों को बिखेरता हुआ दिखाई देता है। बच्चों की टोली की मौज-मस्ती, हुड़दंग के संग एक-दूजे पर पिचकारी के रंगों की बौछार से समूचा परिवेश रंगमय हो जाता है।

जुड़ी हैं कई सांस्कृतिक मान्यताएं

भारतीय संस्कृति में होली का पौराणिक महत्व भी है। यह पर्व बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। अन्याय पर न्याय की और असत्य पर सत्य का प्रतीक लोक पर्व भी है। पुराणों के अनुसार प्रथम पुरुष मनु का जन्म भी इसी तिथि पर हुआ था। इसीलिए इसे मन्वादितिथि भी कहा जाता है। भगवान शंकर के द्वारा अपनी क्रोधाग्नि से कामदेव को भस्म करने के कारण इसे मदनोत्सव के रूप में भी मनाया जाता है। प्रकृति के अंगड़ाई लेते ही वसंत उत्सव के बाद नए अनाज के आगमन की खुशी में नव शस्येष्टि पर्व के रूप में मनाए जाने का उल्लेख प्राचीन ग्रंथो में भी मिलता है। होलिका दहन वैदिक सोम यज्ञ की परंपरा का वाहक है। फाल्गुन पूर्णिमा पर अन्न पकने पर जौ और गेहूं की बालियों को देवताओं को समर्पित करने के बाद ही उपभोग करने की परंपरा रही है। यह परंपरा आपसी प्रेम और सौहार्द का प्रतीक है। साथ ही होली में मंत्रोच्चारण के साथ गेहूं, चने की बालियां, नव अन्न के साथ धृत, पुष्प, जड़ी-बूटियां, गोबर के उपले, कंडे और सुगंधित द्रव्यों को अग्नि में समर्पित कर वातावरण को शुद्ध, परिष्कृत करके धूम्र कण बादलों को आमंत्रण देते हैं और वर्षा होती है। साथ ही होलिका दहन से अहंकार, ईर्ष्या और बुराइयों का विसर्जन होकर समूचे परिवेश मे सौहार्दता और प्रेम का बातावरण निर्मित होता है।

मथुरा में फूलों वाली होली खेलते स्थानीय लोग

विश्वप्रसिद्ध ब्रज मंडल की होली

होली का लोक पर्व पूरे देश में कई तरह के रंग बिखेरता है। लेकिन विशेष रूप से इस पर्व का ब्रज से गहरा नाता है। मथुरा, वृंदावन, ब्रज मंडल के मंदिरों में फाग के रंगों की फुहार और फूलों की बौछार तो समूचे विश्व के पर्यटकों और श्रद्धालुओं को बरबस ही आकर्षित करती है। जिस तरह द्वापर युग में ब्रज में होरी खेलते हुए भगवान श्री कृष्ण और उनके सखा, गोपियों के संग राधा को रंगों में सराबोर कर देते हैं। वो परंपरा आज भी चली आ रही है।

रंगोत्सव और उसमें निहित संदेश

होली के रंग जीवन में खुशियों के रंग भर देते हैं, चारों ओर, प्रेम, एकता के रंग बिखर जाते हैं। वैर भाव छोड़ सब एक-दूजे को प्रेम के रंग से रंग देते हैं। स्नेह प्रेम रंग में रंगे प्रेमी के लिए पूरा संसार ही रंगमय हो जाता है। होलिका दहन के दूसरे दिन धुलेंडी में उड़ती गुलाल और अबीर से पूरा आसमान ही सतरंगा हो जाता है। तभी तो हुरियारे कह उठते हैं, उड़त गुलाल लाल भए अंबर।

पौराणिक मान्यता के अनुसार होली में समूचे आसमान में गुलाल, अबीर का रंग उड़ाने से रजोगुण और तमोगुण के प्रभाव कम होकर उत्सव का सात्विक स्वरूप निखरता है और देवी-देवता प्रसन्न होते हैं। मान्यता है, इस दिन रंग और अबीर से खेलने पर नकारात्मकता का विनाश होता है और निराशा दूर होती है। मन के विकार दूर होते हैं। चारों ओर सकारात्मक प्रवाह आता है। गुलाल के स्पर्श से लोगों के व्यक्तित्व और विचारों में सकारात्मकता आती है। होली के रंग हमें प्रेरित करते हैं कि हम अपने और दूसरों के जीवन को भी खुशियों से सराबोर रखें। ❋

उल्लास

भूपसिंह 'भारती'

होळी की खुम्मारी

बरसाओ रंग-गुलाल, होळी सै मतवारी।
होळी म्हं कस कै मार, यार तू पिचकारी।।
खेलै होळी छैल-छबीली,
गोरी हो गई रंग-रंगीली,
अंगिया काळी-पीळी, हुई बलमा म्हारी।
फागण आयो यो मस्तानों,
मस्त अदा कर री दीवानों,
दूंगी भोत उल्हाणों, करी जो बदकारी।

बलमा खेलण आयो होळी,
कस कै भरली मोरी कोळी,
रंगग्यो दामण चोली, मार कै पिचकारी।
होळी को यो गजब अखाड़ों,
बजै 'भारती' ढोल नगाड़ों,
माड़ो होग्यो जाड़ो, होळी की खुम्मारी।

रंगों का संबंध केवल होली खेलने से ही नहीं होता है। कौन-सा रंग आपको पसंद है, इससे आपके मिजाज और व्यक्तित्व के राज का भी पता चलता है, कैसे बता रहे हैं आपको।

रंगों की पसंद बताती है आपके मिजाज का राज

पर्सनालिटी

शिखर चंद जैन

समाज शास्त्रियों और मनोवैज्ञानिकों की मानें तो किसी व्यक्ति की रंग की पसंद से उसके व्यक्तित्व और स्वभाव का काफी हद तक पता लगाया जा सकता है।

सफेद रंगः सफेद रंग अधिक पसंद करने वाले दूरदर्शी और आशावादी माने जाते हैं। ये लोग प्लानिंग करने में माहिर होते हैं, इसीलिए अधिकतर कार्यों में सफलता प्राप्त करते हैं। ये लोग वर्कलाइफ और पर्सनल लाइफ में अच्छा बैलेंस बनाए रखते हैं। जो सफेद रंग पसंद करते हैं, वे शांति प्रिय होते हैं। नए लोगों से जल्दी मित्रता नहीं बढ़ाते हैं। किसी भी नए स्थान पर या नए लोगों के बीच सहज महसूस नहीं करते क्योंकि ये संकोची स्वभाव के होते हैं।

लाल रंगः लाल रंग पसंद करने वाले हमेशा सजग रहते हैं। इनके जीवन में प्रेम का बहुत अधिक महत्व होता है। ये लोग अच्छे प्रेमी सिद्ध हो सकते हैं। लाल रंग उत्साह और जोश का प्रतीक है और इसी वजह से इसे पसंद करने वाले जोशीले होते हैं। ये लोग जीवन को पूरे उत्साह के साथ जीते हैं। दूसरों के स्वभाव को बहुत जल्दी समझ लेते हैं और स्वयं को उसके मुताबिक एडजस्ट कर लेते हैं।

पीला रंगः पीले रंग के शौकीन आमतौर पर हंसमुख स्वभाव वाले होते हैं। ये जीवन को सकारात्मक रूप में जीते हैं। ये लोग नए विचारों को अपनाने में यकीन रखते हैं। खुले मन के होने के कारण ये दूसरों को सही मार्गदर्शन देते हैं। सभी की मदद के लिए तैयार रहते हैं। विपरीत समय में भी यह ईमानदारी के साथ कार्यों में लगे रहते हैं और अपनी विल पावर के बूते सफल हो जाते हैं।

नीला रंगः नीले रंग को पसंद करने वाले स्वाभिमानी होते हैं। ये मदद लेना पसंद नहीं करते हैं। अपने प्रेमी को पूरा समय देते हैं और उसकी जरूरतों का ध्यान रखते हैं। इन्हें भरोसेमंद माना जा सकता है। किसी का विश्वास नहीं तोड़ते हैं और किसी अन्य व्यक्ति पर आसानी से विश्वास भी नहीं करते हैं। मित्रता करने से पहले पूरी सावधानी रखते हैं और जब इन्हें यह सुनिश्चित हो जाता है कि व्यक्ति मित्रता करने योग्य है, तब ही मित्रता करते हैं। अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह पूरी शिद्दत से करते हैं।

हरा रंगः हरे रंग के दीवाने डाउन टू अर्थ स्वभाव वाले होते हैं। हर परिस्थिति में अपने स्वभाव को बनाए रखते हैं। सफलता के शिखर पर पहुंचने के बाद भी सामान्य इंसान की भांति बने रहते हैं। यदि इनके आस-पास कोई दुखी व्यक्ति होता है तो उसके दुख बांटने का प्रयास करते हैं। ये बहुत शांतिप्रिय इंसान होते हैं। जिस प्रकार हरा रंग आंखों को सुखद अहसास देता है, ठीक वैसा ही स्वभाव हरा रंग पसंद करने वाला भी होता है।

गुलाबी रंगः जिन लोगों को गुलाबी रंग अधिक पसंद होता है, वे जीवनसाथी के प्रति काफी भावुक होते हैं और जीवन साथी का ध्यान रखने वाले होते हैं। इनके मित्रों की संख्या भी अधिक रहती हैं। मित्रों से विशेष स्नेह प्राप्त करते हैं। सभी लोगों से प्रेम से मिलते हैं। इनका स्वभाव काफी रोमांटिक होता है। ये लोग दूसरों के गुणों पर अधिक ध्यान देते हैं और बुराइयों को अधिकतर नजरअंदाज करते हैं।

भूरा रंगः जिन लोगों को ब्राउन (भूरा) कलर प्रिय होता है, वे लोग आकर्षक व्यक्तित्व के धनी होते हैं। सफलता मिलने के बाद भी घमंड और अहंकार से दूर रहते हैं। इनका स्वभाव मित्रतापूर्ण और विनम्र रहता है, इस कारण अधिक सफल होने के बाद भी लोग सरल होते हैं। दूसरों की मदद करने के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। दूसरों के दुखों को दूर करने का प्रयास करते रहते हैं। दूसरों को इनका साथ बहुत प्रिय होता है। कठिन परिस्थितियों को काबू करने के लिए धैर्य और मेहनत का सहारा लेते हैं। सूझ-बूझ से विपरीत हालातों से बाहर आ जाते हैं।

जामुनी रंगः जामुनी रंग पसंद करने वाले लोगों के स्वभाव में रचनात्मकता होती है, इस कारण किसी भी काम को अलग-अलग तरीके से करने में इन्हें मजा आता है। इन्हें भीड़ का हिस्सा बनना पसंद नहीं होता है। भीड़ से अलग काम करने पर अधिक विश्वास रखते हैं। ये लोग दूसरों की नकल करना पसंद नहीं करते हैं और ना ही ये चाहते हैं कि कोई इनके कामों की नकल करे। ये दूरदर्शी भी होते हैं।

काला रंगः जिन लोगों को काला रंग पसंद होता है, वे थोड़े रूढ़िवादी हो सकते हैं। साथ ही, इन लोगों को गुस्सा भी बहुत जल्दी आता है। इन्हें किसी भी काम में कोई बदलाव पसंद नहीं होता है। किसी भी प्रकार का बदलाव आसानी से स्वीकार नहीं कर पाते हैं। ये लोग अपनी शक्ति बढ़ाना चाहते हैं। इन्हें लोगों से उचित दूरी बनाए रखना पसंद होता है। ❋

उमंग-तरंग

मीठी-मीठी यादों के बीच प्रेम के प्यारे-प्यारे रंग

होली का पर्व हर कोई बहुत उत्साह-उमंग से मनाता है। छोटे पर्दे के कलाकार भी इसमें पीछे नहीं रहते। इनकी सबसे मीठी यादगार होली कब और क्यों रही? होली के पर्व को ये किस नजरिए से अहम मानते हैं? इस बार होली कैसे मनाएंगे? बता रहे हैं, चर्चित टीवी शोज के कुछ प्रमुख कलाकार।

होली पर किसी को भी छेड़ सकते हैं : विभव रॉय

इन दिनों स्टार भारत पर आ रहे शो 'शैतानी रस्में' में विभव रॉय राजकुमार पीयूष के लीड रोल में नजर आ रहे हैं। होली का जिक्र होने पर वह अपनी पिछले साल की होली याद करते हुए बड़े उत्साह से बताते हैं, 'अपनी पिछली होली मैंने यूएस में अपने भांजे के साथ मनाई थी। जहां हमने स्विमिंग पूल में रंग मिलाकर उसमें होली खेली और खूब मस्ती की थी। उस दिन मेरी बहन ने अपने हाथों से सभी के लिए गुझिया बनाई थी, जो बहुत टेस्टी थी। गुझिया के साथ ढेर सारे कैंडी, चॉकलेट्स भी सभी के लिए रखे गए थे। सबने मजे से खाया। मैं अपनी पर्सनल लाइफ में भी एक प्रैंक्स्टर हूं। सभी से हंसी-मजाक करता रहता हूं। होली से जुड़ी मुझे सबसे अच्छी बात यह लगती है कि इस दिन आप किसी के भी रंग लगा सकते हैं, उसे छेड़ सकते हैं, उसके साथ मजाक-मस्ती कर सकते हैं। होली एक ऐसा दिन है, जब आपको अपनों के साथ हंसने-हंसाने का मौका मिलता है। इस होली पर मैं अपने शो 'शैतानी रस्में' की शूटिंग में बिजी रहूंगा, लेकिन शूटिंग के बाद अपने को-स्टार्स और क्रू मेंबर्स से साथ होली जरूर मनाऊंगा। आप सभी को होली की शुभकामनाएं!' ❋

रंग सबसे खूबसूरत जरिया हैं, अपने परिजनों से मिलने का : गरिमा परिहार

आजकल सोनी सब के शो 'पुष्पा इंपॉसिबल' में गरिमा परिहार ने दीप्ति पारीख पटेल के किरदार में खूब रंग जमा रखे हैं। होली का जिक्र आते ही वह अपनी पिछले साल की खेली होली याद करती हैं,'बीते साल मैंने शो 'पुष्पा इंपॉसिबल' की पूरी टीम के साथ बड़ी ही धूमधाम से होली खेली थी। असल में होली खेलना हमारे शो के एक सीक्वेंस का हिस्सा था। इसकी शूटिंग के दौरान जब भी हमें ब्रेक मिलता था, हम सभी एक-दूसरे पर पिचकारी चलाने लगते थे। जब पिचकारी से बात नहीं बनती तो बाल्टियों से भर-भर कर एक-दूसरे पर रंग वाला पानी डालते। यह सिलसिला करीब बारह घंटे चला, हमने खूब मस्ती की। मुझे होली से जुड़ी सबसे अच्छी बात यह लगती है कि इस दिन सभी लोग एक हो जाते हैं। भले ही हम अपनों से दूर क्यों न हों, लेकिन कोशिश यही रहती है कि होली के दिन सब मिलें। इस त्योहार पर रंग सबसे खूबसूरत जरिया हैं, अपने परिजनों से मिलने का। इस बार की होली मेरे लिए बहुत खास है, क्योकि होली वाले दिन ही मेरा जन्मदिन है। इस साल मैं अपना जन्मदिन, होली त्योहार के साथ मनाऊंगी।' ❋

सारे गिले-शिकवे भुलाकर प्रेमपूर्वक रंग खेलने का दिन : स्वाति शर्मा

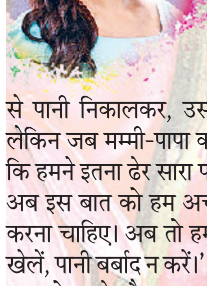

चैनल शेमारू उमंग के नए शो 'चाहेंगे तुम्हें इतना' में स्वाति शर्मा ने आशी के किरदार में सबका दिल जीत लिया है। वह होली से जुड़ी अपनी यादें ताजा करते हुए बताती हैं, 'होली मेरा सबसे पसंदीदा त्योहार है। मेरी सबसे यादगार होली तब की है, जब हम कई साल पहले अपने नए घर में शिफ्ट हुए थे। हमारे पड़ोस में तब कोई रहने नहीं आया था। हमने बगल वाले अंडरग्राउंड टैंक से बकेट से पानी निकालकर, उसमें कलर मिलाकर जमकर होली खेली थी। लेकिन जब मम्मी-पापा को हमारी शरारत पता चली, हमें खूब डांट पड़ी कि हमने इतना ढेर सारा पानी बर्बाद क्यों किया। तब बचपना था, लेकिन अब इस बात को हम अच्छे से समझते हैं कि होली में पानी बर्बाद नहीं करना चाहिए। अब तो हम सबसे कहते हैं, 'होली सिर्फ सूखे रंगों से ही खेलें, पानी बर्बाद न करें।' हमें होली की सबसे प्यारी बात यह लगती है कि इस त्योहार के दौरान हम अपने सारे गिले-शिकवे भूलकर आपस में प्रेम पूर्वक रंग खेलते हैं, गले मिलते हैं। इस बार की होली मैं शो 'चाहेंगे तुम्हे इतना' के सेट पर अपने कास्ट और क्रू के साथ मनाऊंगी।' ❋

समावेशी भावना होली को सुंदर-अनोखा उत्सव बनाती है : राकेश बेदी

एंड टीवी के पॉपुलर शो 'भाभीजी घर पर हैं' में भूरे लाल का किरदार निभा रहे राकेश बेदी से जब होली की बात होती है तो उन्हें अपने बचपन के दिनों में होली पर की गई शरारतें याद आ जाती हैं। वह बताते हैं, 'होली पर हम बच्चे पानी की बंदूकें और रंगीन पानी की बाल्टियां लेकर बैठ जाते थे, जैसे ही कोई पड़ोसी अपने घर से बाहर निकलता, हम उस पर हमला बोल देते। हमारे पड़ोसियों में एक रूड अंकल थे। हमने उनके साथ मजाक करने का साहस किया। हम बच्चों ने जाकर उनके घर की डोर बेल बजाई, जैसे ही उन्होंने दरवाजा खोला, हमने रंगों से भरी बाल्टी उन पर उड़ेल दी और छिपने के लिए भागे, लेकिन अंकल जी गुस्से में आने के बजाय घर के भीतर गए, अपनी रसोई से सूखे आटे की थैली उठा लाए और हमारे ऊपर छिड़कने लगे। इस मस्ती में दूसरे पड़ोसी भी शामिल हो गए। सबको खूब मजा आया। होली के पर्व को सभी उम्र, पृष्ठभूमि और सामाजिक वर्गों के लोग एकसाथ मनाते हैं। ऐसी समावेशी भावना होली को एक सुंदर और अनोखा उत्सव बनाती है।' ❋

प्रस्तुति : हरिभूमि फीचर्स

फिल्म-जगत / अशोक जोशी

फिल्मों में होली के रंग खूब बिखरे हैं। दर्शकों के लिए होली एक विशेष आकर्षण रही है, विशेषकर होली के गीत। फिल्मों में होली, कहानी को आगे बढ़ाने या टर्निंग प्वाइंट लाने में बहुत कारगर साबित हुई है। फिल्मों में होली के रूप पर एक नजर।

फिल्मों में भी खूब बिखरे हैं होली के रंग

होली के रंग हमारे बीच ही नहीं, फिल्मी पर्दे पर भी दिखाई देते हैं। बॉलीवुड के कई निर्माता-निर्देशकों ने अपनी फिल्मों में होली के सतरंगी रंग बिखेरे हैं। फिल्मों में ये रंग कभी बदले या फिर विरह के रूप में दिखते रहे हैं। इनसे इतर प्रेम के गहरे रंग को भी कई बार होली के माध्यम से पर्दे पर दिखाकर दर्शकों के दिलों की धड़कनें बढ़ाई हैं। फिल्म के कथानक के साथ होली-गीतों को भी फिल्मों में बहुत खूबसूरत रूप में इस्तेमाल किया जाता रहा है। कई फिल्मों में होली के गीत इतने लोकप्रिय हुए कि आज भी होली के मौके पर दिनभर सुनाई देते हैं।

काफी पुराना है इतिहासः जहां तक फिल्मों में होली के दृश्यों की बात है तो इसका इतिहास काफी पुराना है। दिलीप कुमार की पहली फिल्म 'ज्वार भाटा' में होली नजर आई थी। फिल्म के निर्देशक अमिय चक्रवर्ती ने 1944 में होली के दृश्य शूट करके एक इतिहास रचा था। इसके बाद दिलीप कुमार की फिल्म 'आन', 'कोहिनूर' और 'सौदागर' में भी होली के रंग देखने को मिले। इसके बाद भी फिल्मों में होली नजर आती रही।

फिल्मों में होली के यादगार गीतः एक समय ऐसा आया जब फिल्मों में होली के गीत फिल्म का विशेष आकर्षण बन गए। फिल्मकार यश चोपड़ा ने तो इसमें उस दौर के निर्देशकों को बहुत पीछे छोड़ दिया था। अपनी फिल्म 'सिलसिला' में उन्होंने 'रंग बरसे भीगे चुनर वाली' होली का एक लोकप्रिय गीत दिया। इसके बाद 'मशाल' में 'होली आई, होली आई, देखो होली आई रे', 'डर' में 'अंग से अंग लगाना' और बाद में 'मोहब्बतें' में उनके बेटे निर्देशक आदित्य चोपड़ा ने 'सोनी-सोनी अंखियों वाली, ' में बड़े पर्दे पर होली के रंग बिखेरे। फिल्म 'मदर इंडिया' का गाना 'होली आई रे कन्हाई' आज भी याद किया जाता है। इसके अलावा 'नवरंग' का 'जा रे हट नटखट' और 'लम्हे' का 'मोहे छेड़ो न नंद के लाला' गाने ने भी होली का फिल्मों में प्रतिनिधित्व किया।

फिल्म 'मोहब्बतें' में कोएक्टर्स के साथ शाहरुख

फिल्म 'बागबान' में अमिताभ के साथ हेमा

'शोले' में मस्ती के रंग में धर्मेंद्र-हेमा

स्टार्स ने खूब बिखेरे होली के रंग : फिल्मों में होली का रंग बिखेरने में स्टार्स खूब आगे रहे। इनमें अमिताभ-रेखा पर फिल्माया गया गीत 'रंग बरसे भीगे चुनर वाली' आज भी याद किया जाता है। इस गीत के लंबे समय बाद अमिताभ ने हेमा मालिनी के साथ 'बागबान में 'होली खेले रघुवीरा' के जरिए एक बार फिर रुपहले पर्दे को रंगीन किया। अमिताभ, विपुल शाह की 'वक्त' में अक्षय कुमार और प्रियंका चोपड़ा के साथ 'डू मी, फेवर, लेट्स प्ले होली' गाते हुए भी खूब जंचे। हिंदी फिल्मों की एक और जोड़ी, धर्मेंद्र और हेमा मालिनी ने होली को फिल्मों में ऐतिहासिक बनाया है। इस जोड़ी पर फिल्माया फिल्म 'शोले' का गीत 'होली के दिन दिल खिल जाते हैं' हिट रहा फिर इस जोड़ी ने फिल्म 'राजपूत' में 'भागी रे भागी रे भागी ब्रजबाला, कान्हा ने पकड़ा रंग डाला'गाकर भरपूर होली खेली। बॉलीवुड में 'होली' और 'होली आई रे' नाम से और 'फागुन' नाम से दो फिल्मों का निर्माण हो चुका है।

'डर' में सनी देओल-जूही चावला

'वक्त' में अक्षय-प्रियंका चोपड़ा

फिल्मी कथा में होली का तरह-तरह से उपयोगः फिल्मों में होली से जुड़ा दिलचस्प पहलू यह भी है कि जहां कुछ फिल्मकारों ने होली को फिल्म की कहानी आगे बढ़ाने के लिए उपयोग किया, तो कुछ ने टर्निंग प्वाइंट लाने के लिए। कुछ ऐसे भी थे, जिन्होंने इसे सिर्फ मौज-मस्ती और गाने फिट करने के लिए फिल्म में डाला। फिल्मकार राजकुमार संतोषी ने अपनी फिल्म 'दामिनी' में होली के दृश्य का उपयोग फिल्म में टर्निंग प्वाइंट लाने के लिए किया, जबकि 'आखिर क्यों' के गाने 'सात रंग में खेल रही है दिल वालों की होली रे' और 'कामचोर' के 'मल दे गुलाल मोहे' में इनके जरिए फिल्म की कहानी को आगे बढ़ाया गया।

नायकों ने नायिकाओं के जीवन में भरे रंगः कई फिल्मों में नायक होली के माध्यम से नायिकाओं के जीवन में रंग भरने की कोशिश करते भी दिखे। फिल्म 'धनवान' में राजेश खन्ना ने रीना रॉय के लिए 'मारो भर-भर पिचकारी' तो 'फूल और पत्थर' में धर्मेंद्र, मीना कुमारी के लिए 'लाई है हजारों रंग होली' गाते दिखे। इसी तरह फिल्म 'कटी पतंग' में राजेश खन्ना पर फिल्माए गाने 'आज न छोड़ेंगे बस हमजोली' ने आशा पारेख को अपने अतीत की याद दिला दी थी।

अब कम दिखते हैं होली के रंगः अब फिल्मों में रुचि रखने वाले दर्शकों की पसंद काफी बदल चुकी है। कभी-कभी ही फिल्मों से होली गीत दिखते हैं। बीते बरस की फिल्मों में 'जॉली एलएलबी-2' में अक्षय कुमार और हुमा कुरैशी पर फिल्माया एक होली गाना दिखाई दिया था। लेकिन वास्तविकता यही है कि आजकल की फिल्मों में होली के रंग फीके पड़ गए हैं। ❋